CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-18
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

'विफलता के बारे में चिंता मत करो, आपको बस एक बार ही सही होना हैं'

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

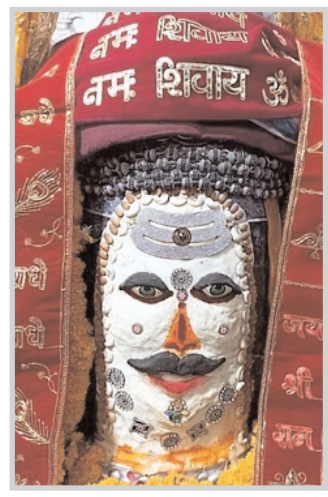

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार, 22 अप्रैल 2024

सिंगल कॉलम

सुनीता केजरीवाल बोलीं- मेरे पति को मारना चाहती है बीजेपी, नहीं दे रहे इंसुलिन

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तिहाड़ जेल में बंद है। उनकी गैरहाजिरी में आम आदमी पार्टी के अन्य नेता और उनकी पत्नी ने मोर्चा संभाला हुआ है। इस बीच जेल में उनकी शुगर लेवल बढ़ने का मुद्दा छाया हुआ है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि केजरीवाल को इंसुलिन की जरूरत है लेकिन इसके बावजूद उन्हें जेल में इंसुलिन नहीं दी जा रही। उन्हें मारने की साजिश रची जा रही है। रांची में हुई इंडिया गठबंधन की महारैली में भी सुनीता केजरीवाल ने यह मुद्दा जोर शोर से उठाया। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार मेरे पति अरविंद केजरीवाल को मारना चाहती है; जेल में उन्हें इंसुलिन नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी गठबंधन इंडिया भाजपा की तानाशाही के खिलाफ लड़ेगा और जीतेगा। सुनीता ने रैली में कहा कि वे मेरे पति अरविंद केजरीवाल को मारना चाहते हैं। उनके भोजन पर कैमरे से निगरानी रखी जा रही है; उन्हें इंसुलिन देने से मना कर दिया गया है। मेरे पति शुगर के मरीज हैं, जो 12 साल से इंसुलिन पर हैं; उन्हें रोजाना 50 यूनिट इंसुलिन की जरूरत होती है। उन्होंने दावा किया कि उनके पति को जन सेवा का काम करने के लिए जेल में डाल दिया गया और उनके खिलाफ कोई आरोप साबित नहीं किया जा सका है।

हॉन्गकॉन्ग ने एवरेस्ट और एमडीएच मसाले पर लगाया बैन, पेस्टिसाइड ज्यादा

नई दिल्ली। हॉन्गकॉन्ग ने एमडीएच प्राइवेट लिमिटेड और एवरेस्ट फूड प्रोडक्ट्स लिमिटेड के करी मसालों की सेल पर बैन लगा दिया है। दोनों कंपनियों के इन प्रोडक्ट्स में कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की ज्यादा मात्रा होने के कारण यह फैसला लिया गया। इन प्रोडक्ट्स में इस पेस्टिसाइड की ज्यादा मात्रा से कैंसर होने का खतरा है। हॉन्गकॉन्ग से पहले सिंगापुर के अधिकारियों ने भी इसी वजह के चलते एवरेस्ट के फिश करी मसाले को बाजार से वापस मंगाने का आदेश जारी किया था। हॉन्गकॉन्ग के फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट ने बयान जारी कर कहा कि एमडीएच ग्रुप के तीन मसाला मिक्स- मद्रास करी पाउडर, सांभर मसाला पाउडर और करी पाउडर में कार्सिनोजेनिक पेस्टिसाइड एथिलीन ऑक्साइड की मात्रा ज्यादा पाई गई। वहीं रूटीन सर्विलांस प्रोग्राम के तहत एवरेस्ट के फिश करी मसाला में भी यह पेस्टिसाइड पाया गया है। इंटरनेशनल एजेंसी फॉर रिसर्च ऑन कैंसर ने एथिलीन ऑक्साइड को ग्रुप 1 कार्सिनोजेन के रूप में क्लासिफाई किया है। फूड रेगुलेशन के अनुसार, ह्यूमन कंजम्पशन के लिए पेस्टिसाइड वाले फूड सिर्फ तभी बेचे जा सकते हैं, जब फूड स्वास्थ्य के लिए खतरनाक या हानिकारक न हों।

शिवराज के करीबी अफसर मरकाम की चुनाव आयोग में शिकायत

भोपाल। विदिशा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान के मुख्यमंत्रित्व काल में ओएसडी रहे लक्ष्मण सिंह मरकाम के खिलाफ कांग्रेस ने चुनाव आयोग में शिकायत की है। मरकाम पर बीजेपी प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान के पक्ष में चुनाव प्रचार करने का आरोप लगाया गया है। कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग कार्य विभाग के प्रभारी जेपी धनोपिया ने मप्र के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में लिखा कि लोकसभा चुनाव 2024 के के परिप्रेक्ष्य में आचार संहिता प्रभावशील है, भाजपा से जुड़े हुए लोग आदिवासियों को गुमराह करके वोट की राजनीति करते हैं। विदिशा संसदीय क्षेत्र से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जिताने के लिए 21 अप्रैल को 500वां गोंडवाना साम्राज्य की वीरांगना महारानी दुर्गावती का जन्म दिवस मना रहे हैं, जबकि उनका जन्म दिवस 5 अक्टूबर 1524 को मनाया जाता है। यह कार्यक्रम शासकीय अधिकारी लक्ष्मण मरकाम आईएएस द्वारा भाजपा प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान को लोकसभा चुनाव में वोट दिलवाने के लिए आयोजित किया गया। इसलिए इस कार्यक्रम में भाजपा प्रत्याशी शिवराज सिंह चौहान के पहुंचने पर दोनों कार्यक्रमों का पूरा खर्च चुनाव खर्च में जोड़ा जाए जिससे कि लोकसभा विदिशा का मतदान निष्पक्ष एवं स्वतंत्र रूप से सम्पन्न हो सके।

अरविंद केजरीवाल को जमानत देने की मांग वाली याचिका खारिज

दिल्ली हाई कोर्ट ने 75 हजार का जुर्माना भी ठोका

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) सहित दर्ज सभी आपराधिक मामलों में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को असाधारण अंतरिम जमानत पर रिहा करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सवाल उठाते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ता पर 75,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। याचिका में अतीक अहमद और टिल्लू ताजपुरिया का उदाहरण देकर मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल की जान को तिहाड़ जेल में खतरा बताया गया था। इस संबंध में कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने आदेश पारित करते हुए कहा, यह अदालत उच्च पद पर आसीन व्यक्ति के खिलाफ शुरू किए गए लंबित आपराधिक मामले में असाधारण अंतरिम जमानत नहीं दे सकती। अदालत ने कहा कि कोर्ट के न्यायिक आदेश के आधार पर कोई हिरासत में है। इस मामले को चुनौती फिलहाल सुप्रीम कोर्ट में दी गई है। वह अपने लिए कदम उठा रहे हैं और मौजूद उपायों का इस्तेमाल कर रहे हैं। कानून हर किसी के लिए बराबर है।

कांग्रेस की दुकान में भ्रष्टाचार ही बिकता है:मोदी

बांसवाड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को राजस्थान के दौरे पर रहे। पीएम ने पहले जालौर में रैली की। इसके बाद वे बांसवाड़ा पहुंचे। जहां, विजय शंखनाद रैली को संबोधित किया और परिवारवाद को लेकर कांग्रेस समेत विपक्षी पार्टियों पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कहा कि विपक्षी पार्टियां अपने बच्चों को फिट करने में लगी हैं, जबकि मोदी आपकी संतानों के भविष्य के लिए खप रहा है और दिन रात मेहनत कर रहा है। पीएम ने आगे कहा कि बीजेपी गरीब कल्याण के लिए समर्पित है। बीजेपी ईमानदारी से काम करती है, लेकिन कांग्रेस की दुकान में भ्रष्टाचार ही बिकता है। कांग्रेस ने हमेशा दलितों, आदिवासियों और अल्पसंख्यकों को डराया है और आज भी भांति-शांति के डर और झूठ फैला रहे हैं, लेकिन अब इनका झूठ चल नहीं रहा है।

बीजेपी की चुनावी घोषणाओं का जिक्र करते हुए पीएम ने कहा कि देश के 70 साल के ऊपर की आयु के बुजुर्गों के इलाज का खर्च अब ये मोदी उठाएगा। ये मोदी की गारंटी है। बुजुर्गों के इलाज का 5 लाख रुपए तक का खर्च दिल्ली में बैठा उनका ये बेटा उठाएगा। एक ऐसी सरकार जो देश में

भविष्य के हिसाब से इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण कर सके। हमारा 10 साल का ट्रैक रिकॉर्ड है। ये काम सिर्फ बीजेपी ही कर सकती है। ये मोदी है जिसको आप जानते हैं। मैं तो आपके लिए एक प्रकार से घर का ही हूं।

पहली बार कांग्रेस परिवार खुद को नहीं करेगा वोट- पीएम ने कहा कि कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि यह शाही परिवार आजादी के बाद पहली बार दिल्ली में कांग्रेस को वोट नहीं देगा। अगर यह शाही परिवार कांग्रेस को वोट नहीं देता है तो फिर आपसे वोट मांगने का उनके पास क्या अधिकार है। जहां कांग्रेस का यह शाही परिवार रहता है वहां ये चुनाव ही नहीं लड़ रही है।

बीजेपी पूरे समर्पण भाव से काम कर रही- पीएम ने कहा कि आपके सपनों को पूरा करने के लिए ये मोदी आप लोगों से आशीर्वाद मांगने के लिए आया है। भाइयों और बहनों बीजेपी सबका साथ, सबका विकास, सुशासन का एक उम्दा मंत्र लेकर समर्पण भाव से काम कर रही है। बांसवाड़ा और डूंगरपुर के जिन 3 लाख परिवारों को पक्के घर मिले हैं, उसमें बड़ी संख्या में हमारे आदिवासी परिवार हैं। 10 साल में दो जिले में 3 लाख पक्के घर, ये काम छोटा है क्या? गरीबों की चिंता की है कि नहीं की है।

जहां आदिवासी ज्यादा वहां से कांग्रेस गायब- पीएम मोदी ने कहा कि देश में संविधान और आरक्षण को लेकर तरह-तरह के झूठ फैला रहे हैं, लेकिन कांग्रेस को पता नहीं है कि भारत अब डर से बाहर निकल चुका है। आज देशभर में जिन-जिन राज्यों में आदिवासी की आबादी ज्यादा है वहां कांग्रेस या तो सत्ता से बाहर या फिर तीसरे और चौथे नंबर पर है। यह आदिवासी समाज का आक्रोश है। इस आक्रोश के ठोस कारण हैं।

बेरोजगारी और महंगाई से सिर्फ मोदी खुश:खड़गे

सतना। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी की तबीयत खराब होने के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे रविवार को मध्यप्रदेश के दौरे पर आए। उन्होंने सतना जिले में कांग्रेस प्रत्याशी सिद्धार्थ कुशवाहा के समर्थन में सभा की। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर करारा हमला बोला और पीएम मोदी पर झूठ बोलेने का आरोप लगाया। खड़गे ने कहा कि 19 अप्रैल को देश की 102 लोकसभा सीटों पर मतदान हुआ। मैं आप सबको विश्वास दिलाता हूं कि इसमें इंडिया अलायंस को भारी बहुमत मिलेगा। मैं कई जगह घूमा, जहां भी हम गए, वहां लोगों का प्रमुख मुद्दा महंगाई और बेरोजगारी है। महंगाई ने गरीबों की कमर तोड़ दी है और बेरोजगारी से युवा परेशान हैं। कोई खुश नहीं है। अगर, कोई खुश है तो सिर्फ एक ही आदमी (मोदी) खुश है।

सभा में खड़गे ने पीएम मोदी पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी ने नारा दिया- सबका साथ और सबका विकास, बाकी लोगों का सत्यानाश। लोग पूछ रहे- कहां है तुम्हारा विकास? राजीव गांधी की पंचवर्षीय योजना में हुए काम आज भी नजर आते हैं। देश में साइंस और टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देकर रॉकेट बनाया।

इंदिरा गांधी ने इस रॉकेट को उड़ाया। भाजपा सिर्फ कांग्रेस और गांधी फैमिली को गाली देते हैं। प्रजातंत्र और लोकशाही को मोदी खत्म कर रहे हैं और कहते ये हैं कि डॉ. आंबेडकर भी ऊपर से नीचे आ जाएं तो संविधान नहीं बदलेगा।

मोदी अपनी पार्टी तक का नाम नहीं लेते खड़गे ने कहा कि मोदी तो अपनी पार्टी तक का नाम नहीं लेते, कहते हैं- ये मोदी की देन है, ये मोदी की गारंटी, सब मोदी-मोदी है। मैं आप लोगों से पूछता हूं, मोदी ने 15 लाख रुपये देने का वादा किया था, मिले क्या? हर साल 2 करोड़ नौकरी देने का वादा किया था, 10 साल में 20 करोड़ नौकरियां मिलीं क्या? किसानों से वादा किया था, उनकी आमदनी डबल हुई क्या? मोदी खूब झूठ बोलते हैं, जहां भी जाते हैं वहां झूठ बोलकर आते हैं। इसलिए मैं उन्हें झूठों का सरदार कहता हूं।

हमने खाद्य सुरक्षा कानून बनाया मोदी कहते हैं- भाइयों और बहनों, मैं 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रहा। अरे, हमने खाद्य सुरक्षा कानून बनाया था, इसी कानून के तहत हम पहले से राशन देते थे। आपने इसमें 5 किलो जोड़ दिया और कह रहे हैं कि मैं मुफ्त दे रहा। हमारी सरकार में जो कानून बना इसे मोदी भी नहीं बदल सकते।

क्यों कहते हैं संविधान बल देंगे? खड़गे ने कहा कि मोदी कहते हैं कि डॉ. आंबेडकर भी ऊपर से नीचे आ जाएं तो भी संविधान नहीं बदलेगा। ये उनके अल्फाज हैं। आपने खबरों में पढ़ा और सुना होगा। अगर, यह सच है तो आपके सांसद, मोहन भागवत और एमएलए क्यों कहते हैं कि हमे टू थर्ड मेजोरिटी दो, हम संविधान बदलेंगे। क्या ऐसे इंसान के नेतृत्व को आप लोग वोट देंगे।

अमीरों का कर्ज माफ किया खड़गे ने कहा कि दो आदमी देश का बेच रहे हैं। एयरपोर्ट, रोड, रेलवे सब बेच रहे है।

इलेक्टोरल बॉन्ड वापस लाने वाले सीतारमण के कमेंट पर घमासान

नई दिल्ली। इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के एक बयान पर घमासान तेज होता जा रहा है। कांग्रेस पार्टी के साथ-साथ वरिष्ठ वकील और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने भी निशाना साधा है। सिब्बल ने इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि निर्मला सीतारमण ने एक इंटरव्यू में कहा कि हम चुनावी बॉन्ड स्कीम वापस लाएंगे। इसमें यह भी कहा गया कि चुनावी बॉन्ड योजना पारदर्शिता लाने के लिए लाई गई थी। यह सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बिल्कुल विपरीत है। सिब्बल ने कहा कि बीजेपी यह दावा कर रही कि पारदर्शिता लाने के लिए चुनावी बॉन्ड योजना लाई गई थी। वहीं सुप्रीम कोर्ट पार्टी के इस दावे के उलट योजना को असंवैधानिक घोषित कर चुका है। सिब्बल ने कहा कि सर्वोच्च अदालत ने यह भी कहा कि यह पारदर्शी नहीं हैं और इन्हें गैर-पारदर्शी तरीके से लाया गया था। अब बीजेपी के सामने समस्या यह है कि उनके पास इस चुनाव के लिए पैसा है लेकिन वे जानते हैं कि जब वे हारेंगे तो उन्हें पैसे की आवश्यकता होगी। हालांकि, निर्मला सीतारमण कह रही हैं वे जीतेंगे तो सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श के बाद चुनावी बॉन्ड योजना वापस लाएंगे। उन्होंने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को लेकर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा। उन्होंने पूछा कि वह इस मामले पर चुप क्यों हैं। कांग्रेस ने भी चुनावी बॉन्ड से संबंधित वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के बयान को लेकर उन पर निशाना साधा। पार्टी ने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी ने इस योजना के जरिये जनता के चार लाख करोड़ रुपये लूटे हैं और आगे भी इस लूट को जारी रखना चाहती है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि जमीनी स्तर से मिल रही खबरों के अनुसार भारतीय जनता पार्टी सत्ता से बाहर जा रही है। जयराम रमेश ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि वित्तमंत्री ने कहा कि अगर बीजेपी सत्ता में लौटती है, तो वह चुनावी बॉन्ड वापस लाएगी। इसे सुप्रीम कोर्ट ने असंवैधानिक करार देते हुए अवैध घोषित कर दिया है। हम जानते हैं कि बीजेपी ने पे-पीएम घोटाले में जनता के 4 लाख करोड़ रुपए लूटे हैं। वे इस लूट को जारी रखना चाहते हैं।

20 दिन में मध्यप्रदेश का 5वां दौरा

भोपाल में 24 को मोदी करेंगे रोड शो, सागर और बैतूल में सभा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अप्रैल बुधवार को एक बार फिर मध्यप्रदेश आ रहे हैं। वे सागर और बैतूल में चुनावी सभाएं करेंगे। इसके बाद शाम को राजधानी भोपाल में रोड करेंगे। पीएम मोदी का 20 दिन के अंदर ये एमपी का 5वां दौरा है। भोपाल में प्रधानमंत्री मोदी का करीब एक किलोमीटर लंबा रोड शो होगा। रविवार को एसपीजी और भोपाल पुलिस कमिश्नर के साथ अन्य अफसरों ने रोड शो के रूट का जायजा लिया। इस दौरान भाजपा नेता भी मौजूद रहे। पुलिस कमिश्नर हरिनारायण चारी मिश्रा ने बताया कि 24 अप्रैल को पीएम मोदी के रोड शो के रुट पर करीब 2 हजार से ज्यादा पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। पीएम मोदी की सुरक्षा व्यवस्था का सुपर विजन एडीजी चंचल शेखर और 30 आईपीएस अधिकारियों के हवाले है। रोड शो की शुरुआत ओल्ड विधानसभा के ठीक सामने लाल बहादुर शास्त्री की प्रतिमा से होगी। रोड शो रोशनपुरा होते हुए अपेक्स सर्किल तक जाएगा। इस दौरान ट्रैफिक भी डायवर्ट रहेगा। डायवर्ट रूट को लेकर ट्रैफिक पुलिस जल्द एडवाइजरी जारी करेगी। पीएम मोदी की सुरक्षा में केंद्र से लेकर राज्य तक की खुफिया एजेंसी हाई अलर्ट पर हैं। सुरक्षा व्यवस्था की कमान एसपीजी ने संभाल ली है। सुरक्षा की थ्री लेयर व्यवस्था की गई है। पहली लेयर में एसपीजी के कमांडो तैनात रहेंगे। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के बाद पीएम मोदी पहली बार 7 अप्रैल को जबलपुर आए थे। इसके दो दिन बाद 9 अप्रैल को बालाघाट पहुंचे। 14 अप्रैल को नर्मदापुरम के पिपरिया और 19 अप्रैल दमोह में चुनाव प्रचार किया। अब 24 अप्रैल को सागर, बैतूल और भोपाल आ रहे हैं। ये 20 दिन के अंदर उनका 5वीं बार एमपी दौरा है।

नए अधिकारी अहंकार से बचे, उच्च आदर्श बनाए रखें

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि यूपीएससी के लिए मध्यप्रदेश से चयनित होने वाले सफल विद्यार्थियों की संख्या बढ़ती जा रही है। एक समय था जब कोचिंग के लिए विद्यार्थी दिल्ली जाते थे। अब मध्यप्रदेश में किसी भी स्थान से कहीं से भी अपनी परीक्षा की तैयारी कर विद्यार्थी चयनित हो रहे हैं, जो पारदर्शिता का भी प्रतीक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चयनित विद्यार्थियों के जीवन में उत्कर्ष तो आ ही रहा है, उनके द्वारा शासन की व्यवस्थाओं में उच्च आदर्श, विनम्रता, साहस से कार्य कर राष्ट्र के लिए योगदान देना महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को हाल ही में संघ लोक सेवा आयोग के चयनित मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों के विद्यार्थियों को सिविल सेवा दिवस के अवसर पर सम्मानित कर रहे थे।

सरकार सख्त: प्रत्येक राज्य को अपने अस्पतालों में होने वाले अंग प्रत्यारोपण की जानकारी हर माह दिल्ली भेजनी होगी

अब देश में विदेशियों के अंग दान और प्रत्यारोपण की होगी जांच

नई दिल्ली। भारत आकर अंग प्रत्यारोपण कराने वाले सभी विदेशी मरीजों की जांच होगी। स्वास्थ्य महानिदेशालय ने राज्यों को दिए आदेश में कहा है कि थोटा अधिनियम 1994 के तहत जिम्मेदार एजेंसियों के जरिये उन सभी अस्पतालों में विदेशियों के प्रत्यारोपण की जांच कराई जाए, जिन्होंने भारत आकर अंगदान या फिर प्रत्यारोपण कराया है। आदेश के मुताबिक, अंग प्रत्यारोपण के 48 घंटे के भीतर दाता और अंग लेने वाले दोनों की आईडी केंद्रीय एजेंसी के साथ साझा करनी होगी। अभी तक यह प्रक्रिया मृत दाता से प्राप्त अंगों के मामले में चल रही है, लेकिन अब इसे जीवित

अंगदाता के मामले में भी अनिवार्य किया है। स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ. अतुल गोयल ने आदेश में साफ तौर पर कहा है कि प्रत्येक राज्य को अपने अस्पतालों में होने वाले अंग प्रत्यारोपण की जानकारी हर माह दिल्ली भेजनी होगी, ताकि सरकार प्रत्येक प्रत्यारोपण की समीक्षा कर सके। उन्होंने प्रत्यारोपण करने वाले अस्पतालों की नियमित निगरानी के लिए एक प्रणाली विकसित करने का आदेश भी दिया है, जिसके जानकारी महानिदेशालय को भी देना जरूरी होगा।

15 दिन में देनी होगी रिपोर्ट

डॉ. अतुल गोयल का कहना है कि सभी राज्यों को अंग प्रत्यारोपण के मामले में जांच शुरू करनी चाहिए। अगले 15 दिन के भीतर इसकी पूरी रिपोर्ट महानिदेशालय को भेजने का आदेश दिया है। रिपोर्ट में यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि राज्यों ने अंग प्रत्यारोपण में लापरवाही या किसी भी तरह की धोखाधड़ी को रोकने के लिए क्या कदम उठाए हैं?

अंग प्रत्यारोपण से जुड़ा आपराधिक गिरोह

दरअसल, हरियाणा और राजस्थान में अंग प्रत्यारोपण को लेकर एक गिरोह सामने आया है, जिसके तार इन दो राज्यों के अलावा झारखंड और बांग्लादेश से जुड़े हैं। वहीं, कुछ महीने पहले म्यांमार और दिल्ली के एक अस्पताल के बीच भी इसी तरह के आरोप लगाए गए। इसके अलावा साल 2016 में किडनी रैकेट में भी नेपाल और भूटान से भारत आकर अपने अंग दान करने की घटना हुई।

सिंगल कॉलम

हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में वीर बगीची में भगवान का अभिषेक

हाटकेश्वर महादेव की निकलेगी शोभायात्रा

शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 22 अप्रैल को होंगे। इसमें हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में वीर बगीची में भगवान का अभिषेक होगा। हाटकेश्वर महादेव की शोभायात्रा और शिव-साईं मंदिर का स्थापना दिवस समारोह भी मनाया जाएगा। इसके साथ ही हरिधाम पर हनुमंत कथा और हनुमान मंदिर स्कीम नंबर 134 में रामकथा होगी। हनुमान जन्मोत्सव में पंचकुइया स्थित वीर बगीची में सुबह 9 बजे राजाधिराज वीर अलीजा सरकार का केसर, औषधियों का जल, चंदन, इत्र, दुध, 7 पवित्र नदियों का जल, पंचामृत और भस्म से महाअभिषेक किया जाएगा। अभिषेक 11 विद्वान पंडितों एवं आश्रम के वेदपाठी बटुकों द्वारा वैदिक मंत्रोउच्चार के साथ किया जाएगा। दोपहर 12 बजे महाआरती एवं इसी दिन अखंड रामायण पाठ की शुरुआत भी होगी, जो सुबह 9 बजे से प्रारंभ होकर अगले दिन सुबह 9 बजे तक जारी रहेगी। हनुमान जयंती पर स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा। सांवेर रोड औद्योगिक क्षेत्र स्थित शिव साईं मंदिर का रजत जयंती स्थापना दिवस समारोह में शाम 7 बजे फूल बंगला सजाकर 56 भोग लगेगा। इसके बाद संतों का सम्मान होगा और भोजन प्रसादी का आयोजन किया जाएगा।। मूर्ति की स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर स्थापना दिवस मनाया जा रहा है। इस दौरान भजन संध्या सहित विभिन्न आयोजन होंगे। नागर वणिक समाज के कुलदेवता हाटकेश्वर महादेव भगवान का प्रकटोत्सव मनाया जाएगा। इसमें सुबह 7 बजे भगवान हाटकेश्वर महादेव का दुग्ध अभिषेक किया जाएगा। इसके साथ ही विशेष श्रृंगार भी होगा। छत्रीबाग से रथयात्रा निकाली जाएगी। रथ यात्रा नृसिंह बाजार, सीतलामाता बाजार, शक्कर बाजार, सराफा बाजार, बर्तन बाजार, सांठा बाजार, नृसिंह बाजार होते हुए पुन- मंदिर पर संपन्न होगी। रात 12 बजे महाआरती व प्रसादी वितरण किया जाएगा। प्रकृति संरक्षण हम सबकी जिम्मेदारी है। इस जिम्मेदारी का निर्वाहन आप करना चाहते है तो मालवा मंथन द्वारा पृथ्वी दिवस के उपलक्ष में आयोजित कार्यक्रम खास आपके लिए है। सुबह 11 बजे शिक्षा अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय में प्लास्टिक मुक्त जीवन की शपथ दिलाई जाएगी। जगदगुरू स्वामी रामनरेशाचार्य के सानिध्य में सुबह 11 से 12 बजे तक आध्यात्मिक शंका समाधान, दोपहर 4 बजे से शाम 6.30 बजे तक श्रीराम एवं हनुमत कथा होगी। शाम 6.30 से 7.30 बजे तक रामजी और हनुमानजी की आरती जैसे आयोजन होंगे, जिनमें देश के अनेक विद्वान भी शामिल होंगे। हवा बंगला रोड स्थित हरि धाम पर हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर 19 से 23 अप्रैल तक श्री हनुमत कथा की आयोजित की जा रही है। इसके एक दिन पहले शोभा यात्रा गुरुवार को दोपहर 3 बजे फूटी कोठी अग्रसेन धाम से हरि धाम मंदिर तक जाएगी। कथा प्रतिदिन मानस कोकिला रश्मि देवी के श्रीमुख से हरि धाम पर दोपहर 2 से 5 बजे तक होगी। नौ दिनी रामकथा श्रीसिद्ध हनुमान मंदिर श्रीराम नगर में प्रतिदिन 23 अप्रैल तक श्रीराम कथा शाम 4 से 7 बजे तक होगी। इसमें श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या के पक्षकार बुंदेलखंड पीठाधीश्वर महंत सीताराम दास महाराज कथा सुनाएंगे। अंतिम 23 अप्रैल को महाप्रसादी आयोजन किया जाएगा। जिसमें हजारों भक्त महाप्रसादी ग्रहण करेंगे।

एमपीपीएससी ने जारी किया कार्यक्रम, जून-जुलाई में रखी प्रमुख परीक्षाएं

इंदौर। लोकसभा चुनाव घोषित होते ही मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग (एमपी पीएससी) ने भर्ती प्रक्रिया कार्यक्रम में बदलाव काफी अधिकांश परीक्षाएं मतगणना बाद करवाने का फैसला लिया है। वैसे आयोग ने साक्षात्कार कार्यक्रमों में कोई संशोधन नहीं किया है। अधिकारियों के मुताबिक, साक्षात्कार लेने वाली पैनल में ज्यादातर सदस्य बाहर से रहते हैं। इसमें विशेष कोई व्यवस्था नहीं करना पड़ती है और न ही अधिक संसाधनों की जरूरत रहती है। इसके चलते साक्षात्कार की प्रक्रिया आसानी से हो जाती है। आयोग ने 15 अप्रैल के बाद साक्षात्कार और लिखित परीक्षा के संबंध में कार्यक्रम जारी किया है, जिसमें मतदान-मतगणना यानी 5 जून तक सिर्फ साक्षात्कार होंगे। चयनित उम्मीदवारों को पैनल सदस्य अपने मापदंडों पर परखेंगे। वैसे इन दिनों राज्य सेवा परीक्षा 2021 के इंटरव्यू चल रहे है। 290 पदों के लिए 1046 उम्मीदवारों को बुलाया है। 18 अप्रैल से 24 मई तक प्रक्रिया चलेगी। पहले कर दिया था। निर्वाचन कार्यों में अधिकारी और कर्मचारियों की ड्यूटी आने से आयोग को परीक्षा आगे बढ़ाना पड़ी है। मार्च से लेकर जून तक किसी भी विभाग के रिक्त पदों के लिए लिखित परीक्षा नहीं रखी है।

सी-विजिल एप' पर आचार संहिता उल्लंघन की 155 शिकायतें

इंदौर। जिले में लोकसभा निर्वाचन के लिए 16 मार्च से आदर्श आचरण संहिता प्रभावशील है। नागरिकों से 'सी-विजिल एप' पर आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की अब तक 155 शिकायतें पहुंचीं। सभी शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया।कलेक्टर कार्यालय में शिकायतों को प्राप्त करने और उनके निराकरण के लिए प्रकोष्ठ भी स्थापित किया गया है। इस प्रकोष्ठ के माध्यम से शिकायतों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। निर्वाचन में आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ी किसी भी प्रकार की सीधी शिकायत यदि कोई व्यक्ति करना चाहते हैं, तो वे 'सी-विजिल एप' के माध्यम से कर सकते हैं। इसके लिए संबंधित नागरिक को गूगल प्ले स्टोर पर जाकर 'सी-विजिल एप' डाउनलोड करना होगा।

धरती पर रहते हैं लेकिन धरती के संरक्षण की नहीं होती बात

सिटी चीफ इंदौर।

मनुष्य को जन्म भले ही माता देती है, लेकिन उसका पालन पोषण इस पृथ्वी पर होता है। इसीलिए हम धरती को भी माता कहते हैं। पृथ्वी द्वारा प्रदत्त प्राकृतिक चीजों से हम जीवित रहते हैं। इंसान जन्म के बाद अपनी माता के बिना रह सकता है लेकिन पृथ्वी और प्राकृतिक चीजों के बिना वह क्षण भर भी जीवित नहीं रह सकता। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि इन सब के बदले में मनुष्य पृथ्वी को क्या देता है? देना तो दूर की बात वह अपनी जरूरतों के लिए प्राकृतिक चीजों को नष्ट कर देता है। ऐसा आज से नहीं बल्कि वर्षों से होता आ रहा है, और इसीलिए पृथ्वी का अब संतुलन बिगड़ रहा है। वातावरण में बदलाव होने लगे हैं। पृथ्वी के संरक्षण के लिए कार्य शुरू तो होते हैं लेकिन उसके फायदे नजर नहीं आते। देश में कई नदियों की सफाई की कवायद चलती रहती है, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद नदी के स्वच्छ होने की खबर नहीं आती। इसी प्रकार प्रदूषित हवा को दुरुस्त और मिट्टी के संरक्षण की बात होती है। अब बात की नहीं बल्कि असल प्रयास की आवश्यकता है। सरकार को पृथ्वी के

संरक्षण के लिए बड़े स्तर पर कदम उठाने चाहिए। राजनीतिक दलों को अपने एजेंडे में प्रमुखता से इस मुद्दे को रखना होगा। इस बार पृथ्वी दिवस की थीम 'ग्रह बनाम प्लास्टिक' है। इस थीम का उद्देश्य पृथ्वी पर बढ़ रहे प्लास्टिक प्रदूषण के बारे में लोगों को जागरूक करना है और इसके खिलाफ कदम उठाना भी है।

प्लास्टिक मुक्त करें पृथ्वी

प्रोफेसर संदीप नारुलकर ने कहा कि विश्व का टारगेट है कि वर्ष 2040 तक प्लास्टिक का प्रोडक्शन जीरो कर दिया जाए। साथ ही वर्ष 2030 तक सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल को समाप्त कर दिया जाए। लेकिन हम अभी भी देखते हैं कि देश-विदेश में कई चीजों की पैकेजिंग प्लास्टिक पर आधारित है। ऐसे में इनके पर्यायों पर विचार किया जा रहा है ताकि प्लास्टिक का प्रयोग कम हो। दरअसल, प्लास्टिक कभी समाप्त नहीं होता है। ऐसे में प्लास्टिक के इस्तेमाल में माइक्रो प्लास्टिक बनने की बातें सामने आ रही हैं। आज के समय में मेकअप के सामान में चमक बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर माइक्रो प्लास्टिक डाला जा रहा है। यह प्लास्टिक नहाने-धोने के साथ बाथरूम के रास्ते नदियों और समंदर में जा रहा है। इस प्रकार हमारे शरीर माइक्रो प्लास्टिक का भंडार बनते जा रहे हैं। माइक्रो प्लास्टिक एक धीमा जहर है और आगे चलकर यह काफी घातक होगा। यदि हम प्लास्टिक पर नियंत्रण पा लें, तो कई नुकसानों से बच सकते हैं। सरकार को इस मुद्दे पर काम करना चाहिए।

पौधारोपण पृथ्वी के संरक्षण में अहम

अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता ने कहा कि पृथ्वी के संरक्षण के लिए सबसे जरूरी पौधारोपण है। पृथ्वी का हम जितना दोहन कर रहे हैं, उसी के दुष्परिणाम हम आज झेल रहे हैं। पृथ्वी पर प्रदूषण को दूर करने के लिए सबसे अहम पौधारोपण है। इसके अलावा नदियों की सफाई के लिए देश में कई प्रयास होते हैं। लेकिन नदियां जस की तस ही रहती हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नदियों की सफाई करने पर निकलने वाले कचरे को वहीं किनारे डाल दिया जाता है। जो सूखकर दोबारा नदियों में जाता है। जबकि यह कचरा खेतों में खाद के रूप में बहुत उपयोगी होता है। यह मिट्टी इतनी कीमती होती है कि इसे खाद के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। अगर इस मिट्टी को सही तरीके से उपयोग में लिया जाए तो नदियों की सफाई भी बनी रहेगी और खेतों की उर्वरता भी बढ़ेगी।

सघन वन से बनेगा पृथ्वी का संतुलन

रूपांतर संस्था के संचालक मनवीर खनूजा ने कहा कि इंदौर स्मार्ट सिटी बनने के साथ-साथ कंक्रीट का जंगल भी बन चुका है। ऐसे में हमें प्रकृति के संरक्षण के लिए पहल करनी चाहिए। इसके लिए शहर के बीच-बीच में जैव विविधता वाले छोटे-छोटे जंगलों का निर्माण किया जाना चाहिए ताकि हमारी भूमि उपजाऊ बनी रहे। साथ ही पक्षी और जीव-जंतुओं को उनका भोजन और संरक्षण मिल सके। शहर के एजसीएसआइटीएस संस्थान में मियावाकी पद्धति से सघन जंगल का निर्माण किया गया, जिसमें 66 प्रजातियों में 25 विलुप्त प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इसमें फल-फूल के साथ आयुर्वेदिक पौधे शामिल हैं। पिछले दो महीनों में 8200 पौधे लगाए गए हैं। यह आक्सीजन का स्रोत बनेंगे और शहर के बीच में शहरी जंगल सिटी लंग्स का रोल प्ले करेंगे। इसी प्रकार शहर के अन्य स्थानों पर ऐसे जंगलों को तैयार करने की आवश्यकता है।

इंदौर में शहरवासियों को मिलेगी गर्मी से हल्की राहत

सिटी चीफ इंदौर।

शहर में सोमवार सुबह आसमान साफ़ रहा है और सूरज की किरणों ने हल्की गर्मी का एहसास करवाया। रविवार शाम को बादल रहने के कारण रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखने को मिली। न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री अधिक 24.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक़, सोमवार को शाम को भी बादल छाएंगे और गर्मी से राहत रहेगी। सोमवार सुबह 8.30 बजे दिन का पारा 28 डिग्री तक पहुंच चुका था। वहीं पश्चिमी उत्तर-पश्चिमी हवाएं 13 किलोमीटर प्रति घंटा की गति से चली। ग़ौरतलब है कि रविवार को शहर में गर्मी से हल्की राहत रही। अधिकतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम 37.1 डिग्री दर्ज किया गया। भोपाल स्थित मौसम केंद्र के मौसम विज्ञानियों के मुताबिक़, वर्तमान में उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ बना हुआ है, वहीं ईरान के पास एक अन्य पश्चिमी विक्षोभ बना है। इसके अलावा दक्षिणी

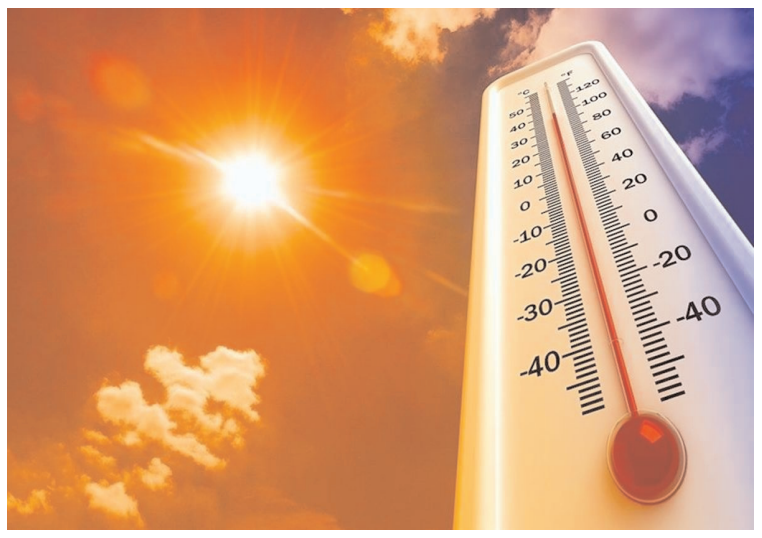

तेलंगाना के पास दो अलग-अलग दिशाओं से आ रही हवाओं का मिलन हो रहा है। इसके असर से अभी इंदौर सहित प्रदेश के कुछ हिस्सों में बादल छाएंगे। मौसम विज्ञानियों के मुताबिक़, आगामी दिनों में अधिकतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, वहीं शाम के समय बाद गर्मी से हल्की राहत रहेगी।

इंदौर नगर निगम में फर्जी बिल कांड, प्रदेश के अन्य नगरीय निकाय भी जांच के दायरे में

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर नगर निगम में 28 करोड़ 76 लाख रुपये के फर्जी बिल कांड के सामने आने के बाद प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों में हुए कार्य भी जांच के दायरे में आ गए हैं। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने प्रमुख सचिव को जांच के लिए कहा है। इन निकायों में पिछले पांच वर्षों में विभिन्न प्रोजेक्ट के तहत हुए विकास कार्यों और उनके एवज में किए गए भुगतान की जांच की जाएगी। आशंका है कि इंदौर में फर्जीवाड़े को अंजाम देने वाली फर्मों और उनके संचालकों के अलावा अन्य कंपनियों द्वारा प्रदेश के अन्य नगरीय निकायों में भी ऐसा ही फर्जीवाड़ा कर बगैर काम के करोड़ों का भुगतान प्राप्त किया गया है। इंदौर नगर निगम में हाल ही में

28 करोड़ 76 लाख रुपये का फर्जी बिल कांड सामने आया है। इंदौर की पांच फर्मों ने ड्रेनेज विभाग में बगैर काम किए 28 करोड़ 76 लाख रुपये के फर्जी बिल प्रस्तुत किए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि इन बिलों का आडिट भी हो गया। आडिट शाखा ने आंख मूंदकर इन बिलों को लेखा शाखा को भेजा, ताकि भुगतान हो सके। लेखा शाखा में शक होने पर जब ये बिल वापस ड्रेनेज शाखा को भेजे गए तो पता चला कि जिस काम के बिल प्रस्तुत किए गए हैं, वह तो उक्त फर्मों ने कभी किया ही नहीं था।

घर वालों से तकलीफ छुपा कर सहेलियों से रुपये लेती थी मुस्कान

सिटी चीफ इंदौर।

बीबीए फाइनल की छात्रा मुस्कान ने बीमारी के कारण ही आत्महत्या की थी। असहनीय तकलीफ का घर वालों से भी जिक्र नहीं करती थी। सहेलियों से रुपये उधार लेकर दवाइयां खरीदती थी। पुलिस ने एक युवती से हुई चैटिंग के स्क्रीन शाट्स जब्त किए हैं। बरुफाटक (बड़वानी) निवासी 24 वर्षीय मुस्कान अग्रवाल ने 11 अप्रैल को पिनेकल ड्रीम्स (निपानिया) की 17वीं मंजिल से कूदकर खुदकुशी की थी। स्वजन ने कहा कि मुस्कान का उपचार चल रहा था, लेकिन इतनी तकलीफ नहीं थी कि उसे आत्महत्या करना पड़े। पुलिस ने सहपाठी और रूम पार्टनर से बात की तो पता चला मुस्कान सोमेटाइजेशन नामक बीमारी से पीड़ित थी। उसे पूरे शरीर में दर्द होता था। तकलीफ भी असहनीय होने लगी थी। वह स्वजन से दर्द छुपाने लगी थी।दवाइयों के लिए सहेलियों से रुपये लेती थी और स्वजन से मिलने पर लौटा देती थी। एक युवती से हुई चैटिंग भी पुलिस ने जब्त की है। रूम पार्टनर कनिका ने भी सहेलियों के कथनों की पुष्टि की और बताया कि मुस्कान के कई बार लेक्चर छूट जाते थे। मुस्कान हर चीज के लिए गूगल करने लगी थी। उसने सोमेटाइजेशन बीमारी के बारे में भी गूगल पर पढ़ा था। इस बीमारी से पीड़ित 70 प्रतिशत मरीजों को आत्महत्या का खयाल आता है।

जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजा मोबाइल

पुलिस ने मुस्कान का मोबाइल जब्त किया, लेकिन अनलाक नहीं हो सका। एडिशनल डीसीपी जोन-2 अमरेंद्रसिंह के मुताबिक मोबाइल खोलने के लिए फोरेंसिक लैब भोपाल भेजा गया है। पुलिस ने लैपटाप खंगाल लिया, लेकिन उसमें कुछ नहीं मिला। मुस्कान रैपिडो (स्कूटर)से पिनेकल ड्रीम्स पहुंची थी। 17वीं मंजिल पर ही उसका मोबाइल और चश्मा मिला था।

लोकसभा चुनाव में अब दिखेगा कथाओं का दौर

सिटी चीफ इंदौर।

चुनावी माहौल को बनाने में कथाओं, भंडारों व धार्मिक आयोजनों की अहम भूमिका रहती है। गत विधानसभा चुनाव में जहां शहर में जहां दो दर्जन से ज्यादा कथाएं हुईं। वहीं लोकसभा चुनाव में अभी तक मतदाताओं को लुभाने के लिए पार्टी व प्रत्याशियों ने अभी तक कथाओं को सहारा नहीं लिया। इंदौर में 13 मई को मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक दलों ने धार्मिक कथाओं के पारंपरिक फार्मूले के माध्यम से मतदाताओं को रिझाने की कवायद शुरू कर दी है। इंदौर में लोकसभा चुनाव की घोषणा होने के बाद से महीनेभर से चुनावी माहौल काफी ठंडा नजर आ रहा था। वहां अब धीरे-धीरे चुनावी रंग चढ़ने लगा है। चुनावी माहौल में शहर में विधानसभा क्षेत्र इंदौर-2 में 2 मई को धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की श्रीमद् भागवत कथा आयोजित होने जा रही है। यह धार्मिक आयोजन कनकेश्वरी गरबा परिसर में किया जाएगा। इसके माध्यम से मतदाताओं को रिझाने की तैयारी है, क्योंकि हर कोई बखूबी शास्त्री की विचारधारा से वकिफ है। वैसे राजनीतिक दल सीधे आयोजन नहीं करते हैं। उनके नेताओं और कार्यकर्ताओं को अग्रणी भूमिका में रखा जाता है। गत वर्ष विधानसभा चुनाव में भी आचार संहिता के बीच कई धार्मिक आयोजन हुए। इसके माध्यम से प्रत्याशियों ने मतदाता तक पहुंचने का नया रास्ता खोज निकाला था, लेकिन विधानसभा चुनाव के दौरान एक धार्मिक आयोजन को अनुमति नहीं मिलने से निरस्त करना पड़ा था। इसके बावजूद कई छोटे-बड़े आयोजन करवाए गए। मगर लोकसभा चुनाव को लेकर ऐसा माहौल मार्च-अप्रैल में नजर नहीं आए। यहां तक पार्टियों ने

प्रचार तक शुरू नहीं किया है। प्रत्याशियों के पोस्टर तक किसी भी सड़क की शोभा नहीं बढ़ा रहे हैं, परंतु इस बीच धीरेंद्र शास्त्री की कथा ने सबका ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। वैसे भी शास्त्री को सुनने और पसंद करने वालों की संख्या का अंदाजा आयोजन शुरू होने के बाद लगेगा। 2 मई को होने वाली कथा में हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं पहुंचेंगे। जिन्हें मतदान के लिए प्रेरित करना आसान होगा, क्योंकि दस दिन बाद इंदौर में 13 मई को मतदान होना है।

तैयार हो रहा भव्य पंडाल

विधानसभा क्रमांक दो में शास्त्री की कथा को लेकर बेसब्री से लोग इंतजार कर रहे हैं। आयोजन को लेकर कनकेश्वरी गरबा परिसर में तैयारी शुरू हो चुकी है। कुछ दिन पहले नेताओं के हाथों भूमिपूजन भी करवाया गया है। अभी यहां भव्य पंडाल बनाया जा रहा है। बकायदा भीड़ पर नियंत्रण रखने के लिए भी कार्यकर्ता लगे हैं।

अंचल में भी कथाओं में पहुंच रहे प्रत्याशी

चुनावी दौर में प्रत्याशियों द्वारा कथा का सहारा लिया जाता है। कई बार ऐसा देखने में आया है, जब प्रत्याशी कथावाचकों को बुलवाकर कथा करवाते हैं और धर्म ध्वजा के साथ राजनीतिक ध्वजा फहराते हैं।

विकास को तरसता पुराना इंदौर

नामी अस्पताल से लेकर माल, होटल, शिक्षण संस्थान तक सब कुछ पूर्वी क्षेत्र में

सिटी चीफ इंदौर।

40 लाख आबादी वाला इंदौर शहर अब महानगर की ओर बढ़ रहा है। देश के नामी होटल चेन से लेकर बड़े अस्पताल तक शहर में बस चुके हैं। विकसित होते इस शहर में अब मेट्रो ट्रेन सेवा भी शुरू होने जा रही है, लेकिन विकास के मामले में शहर दो हिस्सों में बंटकर रह गया है। शहर का एक हिस्सा ऐसा, जहां माल, नामी होटल, शिक्षण संस्थान, माल, अस्पताल तक सबकुछ है। वहीं शहर का दूसरा ऐसा हिस्सा है, जहां न बेहतर शिक्षण संस्थान हैं, न ही कोई बड़ा अस्पताल समूह पहुंच पाया। जनप्रतिनिधियों ने भी इस अंतर को दूर करने की कोशश नहीं की। कुल मिलाकर बेहतर शिक्षा और इलाज के लिए यहां के लोगों को शहर के पूर्वी

हिस्से में जाना पड़ता है। सुविधा, सेवा और विकास के मामले में इंदौर शहर दो हिस्सों में बंट गया है। शहर के खंडवा रोड, विजय नगर, निपानिया, देवास नाका, पलासिया, रिंग रोड, बायपास आदि इलाकों में पिछले कुछ वर्षों में तेजी से विकास हुआ है। यहां माल से लेकर बेहतर अस्पताल और शैक्षिणक संस्थाओं से लेकर बड़े होटल तक सबकुछ हैं। सुगम यातायात के लिए बीआरटीएस बना हुआ है। चौड़ी सड़क, ईवी वाहनों के लिए चार्जिंग पाइंट आदि सुविधाएं हैं। लेकिन पुराने इंदौर यानी राजबाड़ा, बड़ा गणपति, महू नाका, चंदन नगर, गांधी नगर, एरोड्रम क्षेत्र सहित अन्य इलाकों में विकास के नाम पर सिर्फ चौड़ी सड़कें बन पाई हैं। यहां न ही बेहतर शैक्षणक संस्थान हैं और न ही कोई बड़ा अस्पताल समूह है। इस क्षेत्र के मरीजों को बेहतर इलाज के लिए कई बार कई किमी दूर नए इंदौर में जाना पड़ता है। विद्यार्थियों को भी शिक्षण कार्य के लिए बड़े सीबीएसई स्कूलों के लिए 15 से 20 किमी दूर तक जाना पड़ता है।

सिर्फ सड़कें ही बन पाई

पुराने इंदौर की बात करें तो, पिछले कुछ वर्षों से यहां बड़े स्तर पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। अतिक्रमण को हटाकर चौड़ी सड़कें बनाई गई। इसके अलावा गांधी नगर में मेट्रो ट्रेन का डिपो तैयार किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत भी कई काम हुए हैं, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और मनोरंजन के लिहाज से कुछ खास विकास नहीं हुआ है।

सबसे ज्यादा जाब सेक्टर

पूर्वी क्षेत्र में महंगे होटल, आधा दर्जन से अधिक माल, नामी अस्पताल, शिक्षण संस्थान सबकुछ हैं। इसलिए जाब सेक्टर के मामले में भी यह क्षेत्र अग्रणी है। बेहतर शिक्षण संस्थान होने से कई विद्यार्थी 15 किमी की दूरी से इन स्कूल कालेज में पढ़ने आते हैं।

होशंगाबाद लोकसभा सीट पर इस बार तो

यही सवाल... नर्मदा के इस या उस पार

सिटी चीफ भोपाल।

बाबा बैठे जाघर में, पांव पसारे बाघर में... नर्मदा और तवा नदियों के संगम के पास स्थित छोटे से गांव रायपुर में जब बचे ढलती शाम को पहेलियां बुझाते हैं तो कोई न कोई यह पहेली जरूर पूछ लेता है। बचों की पहेली बूझना बचों का खेल नहीं, आप माथापची करें, इससे पहले जान लीजिए कि इस बार लोकसभा चुनाव को लेकर होशंगाबाद-नरसिंहपुर संसदीय सीट के मतदाता भी कुछ ऐसी ही पहेली एक-दूसरे से पूछ रहे हैं कि नर्मदा के इस पार वनखेड़ी के चांदौन गांव के दर्शन सिंह चौधरी (भाजपा प्रत्याशी) हवा को अपने पक्ष में कर पाते हैं या उस पार तेंदुखेड़ा के देवरी गांव के निवासी संजय शर्मा (कांग्रेस प्रत्याशी) अपनी हवा बना लेंगे। पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में होशंगाबाद-नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र की आठों सीटों पर भाजपा ने जीत हासिल की। इस बार अंतर यही है कि यह लोकसभा चुनाव है। यहीं पर वर्ष 2009 में जनता ने तब कांग्रेस से आए राव उदय प्रताप सिंह को कद्दावर नेता रामपाल के मुकाबले जिताकर सिर-आंखों पर बैठा लिया था। इस बार कांग्रेस ने प्रत्याशी के चयन से मुकाबले को रोचक और कड़ा बना दिया है। कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व विधायक संजय शर्मा भले ही वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत हासिल न कर पाए हों लेकिन नरसिंहपुर जिले में उनकी अछी पकड़ है। उनके पास संसाधनों और

संबंधों की कमी नहीं है। नरसिंहपुर, गाडरवाड़ा, तेंदुखेड़ा और उदयपुरा विधानसभा सीटों में कांग्रेस का अपना मतदाता वर्ग है, जो उन्हें मजबूती दे रहा है। नर्मदापुरम जिले में सिवनी-मालवा, होशंगाबाद, सोहागपुर और पिपरिया भाजपा पट्टी के साथ-साथ वे इलाके हैं, जहां भाजपा की मजबूत पकड़ के साथ दर्शन सिंह चौधरी को व्यक्तिगत रूप से लोग जानते-पहचानते हैं। दोनों पट्टी के चार-चार विधानसभा क्षेत्रों में मतदाताओं की संख्या भी लगभग नौ-नौ लाख के साथ बराबर की है। ऐसे में उम्मीदवार अपनी पट्टी में पांव जमाए रखने के साथ दूसरे के प्रभाव क्षेत्र में मतदाताओं को रिझाने की जुगत लगा रहे हैं।

जतन के अलावा समीकरण जातिगत भी हैं

नर्मदा कछार के समृद्ध किसानों के इलाके में दर्शन सिंह खुद के किसान होने की बात बार-बार दोहरा रहे हैं तो संजय शर्मा भी खुद को किसान का बेटा बताने से पीछे नहीं हैं। कभी समाजवादी गढ़ रहे होशंगाबाद सीट के चुनावों में जाति कभी मुद्दा नहीं रही लेकिन इस बार तस्वीर कुछ अलग है। सतह के नीचे जातिगत गोलबंदी भी नजर आ रही है। पिपरिया के मंगलवारा बाजार में कपड़े की दुकान चलाने वाले अंकित राय कहते हैं कि प्रचार पर निकलने के बाद दर्शन चौधरी के लिए घर वापस आने की कोई मजबूरी नहीं है। वह संघ के स्वयंसेवक रहे हैं। एक बैग लेकर चलते हैं। रात हुई तो उसी गांव में रुक गए। दो-चार दिन वापस घर न आएं तो कोई अंतर नहीं पड़ता। यहां उन्हें करीब-करीब सभी जानते हैं। संजय शर्मा को यहां ऐसी पहचान के लिए तगड़ा प्रचार करना होगा। इधर, सोमेश परसाई बताते हैं कि प्रधानमंत्री की रैली के बाद माहौल तो बना था लेकिन छिंदवाड़ा में मतदान के दिन दोपहर ही पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ जिस तरह तेजी से पिपरिया आए, संजय शर्मा को साथ लेकर चुनावी सभा की। इससे पता चलता है कि कांग्रेस लड़ाई में मजबूती से खड़ी है।

पांच लाख पार... इस बार नारा है

राजनीतिक विश्लेषक पंकज पटेरिया बताते हैं कि 2019 के लोकसभा चुनाव में सांसद राव उदय प्रताप सिंह रिकार्ड पांच लाख 53 हजार मतों से जीते थे लेकिन तबसे नर्मदा में काफी पानी बह चुका है, तब कांग्रेस ने शैलेंद्र दीवान को टिकट दिया था, जो राव उदय प्रताप के मुकाबले कहीं न कहीं कमजोर प्रत्याशी थे। रिकार्ड बन सकता था और बना। अब भाजपा ने जीत के पांच लाख पार का बेंचमार्क तो बना दिया है लेकिन यह चुनावी मंचों का नारा यादा दिख रहा है। जमीनी स्तर पर लड़ाई एकतरफा कतई नहीं है।

मतदान का दिन होगा निर्णायक

क्षेत्र का माहौल बता रहा है कि मतदान के दिन जो हवा चलेगी, वह निर्णायक होगी। दोनों प्रत्याशी जोर लगा रहे हैं, लेकिन नरसिंहपुर में दर्शन सिंह चौधरी के लिए उल्टी धार पर नाव चलाने जैसे हालात होंगे तो कुछ ऐसी ही हालात संजय शर्मा के लिए इटारसी, नर्मदापुरम, सिवनी विधानसभा क्षेत्र में होंगे, जहां देरी से प्रचार शुरू करने के बीच वह पर्याप्त समय भी नहीं दे पाए हैं। 26 अप्रैल को मतदान के दिन की कड़ी धूप में किस क्षेत्र के और किसके समर्थक यादा बाहर निकलते हैं, कतार में लगते है, वह निर्णायक होगा।

बाघ मूवमेंट वाले क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्री वाल की ऊंचाई सात फीट से अधिक हो

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में बाघिन और तेंदुए जैसे जंगली जानवरों का मूवमेंट देखा जा रहा है। हाल ही में शहर के भोज मुक्त विश्वविद्यालय के परिसर में तेंदुआ देखा गया था। वहीं इसके बाद एक निजी संस्थान के गेट के बाहर बाघिन दिखाई देनी का वीडियो भी वायरल हुआ। इससे उक्त क्षेत्रों में दहशत का माहौल बना है। इसी को लेकर पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ के नेतृत्व में एक बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें जंगली जानवरों के लिए पानी की उपलब्धता और सासर (पानी के गड्ढे) बनाने पर चर्चा की गई। बैठक में कहा गया है कि शहर के संस्थानों में बनी बाउंड्री वाली की ऊंचाई सात फीट ही रखी गई है, जिसके चलते जंगली जानवर उसे आसानी से पार कर लेते हैं। ऐसे में जिन इलाकों में इनका मूवमेंट ज्यादा हो रहा है वहां सुरक्षा की दृष्टि से बाउंड्री वाल की ऊंचाई सात फीट से अधिक करने की जरूरत है। डीएफओ आलोक पाठक ने बताया कि शहरी

आबादी के किनारे बाघ ही नहीं बल्कि तेंदुआ, चीतल, नीलगाय, भालू सहित अन्य वन्य प्राणियों का मूवमेंट हो रहा है। गर्मी के चलते उन्हें पानी की परेशानी न हो इसके लिए पानी की उपलब्धता और सासर बनाने पर जोर दिया जा रहा है। वहीं संस्थानों को अपनी बाउंड्रीवाल की ऊंचाई बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। बाघिन का मूवमेंट अब जंगल में है। निजी संस्थान में जहां से बाघिन सड़क पर आई थी, वहां कांक्रीट होने से उसके पगमार्क नहीं मिले। अब जीपीएस से बाघिन की लोकेशन तलाश रहे हैं। बाघिन के अलावा इलाके में अन्य वन्य प्राणी भी हैं। कलियासोत से लेकर केरवा तक सियार, लकड़बग्घा, भालू, चीतल, जंगली सुअर, नीलगाय, भेड़की सहित अन्य प्रजाति के वन्य प्राणियों का मूवमेंट है। इंसानों और वन्य प्राणियों को आपसी संघर्ष से बचाने लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

लिंक रोड पर डिवाइडर सेट कराई बाइक, दो की मौत

सिटी चीफ भोपाल।

रविवार शाम लिंक रोड नंबर-एक पर 74 बंगला के सामने एक तेज रफ्तार बाइक रोड डिवाइडर से टकरा गई। हादसे के दौरान डिवाइडर पर रखे सीमेंट के भारी गमलों से सिर में गंभीर चोट लगने से बाइक पर सवार दोनों युवकों की मौत हो गई। उन्होंने हेलमेट नहीं पहन रखा था। टीटी नगर थाना पुलिस के मुताबिक प्रेमपुरा, कमलानगर निवासी 22 वर्षीय संजय पुत्र जयराम मोया एम्स की कैंटीन में कुक का काम करता था। उसका साथी 25 वर्षीय विशाल पुत्र भगतसिंह मरावी 25 वीं बटालियन में रहता था। वह भी एम्स में कुक का काम करता था। विशाल के पिता 25वीं बटालियन में प्रधान आरक्षक हैं। संजय और विशाल शाम करीब साढ़े चार बजे मोटर साइक?ल से एमपी नगर से न्यू मार्केट टीटी नगर की ओर जा रहे थे। इस दौरान सी- नौ, 74 बंगले

के उनकी बाइक डिवाइडर से टकरा गई। दुर्घटना के दौरान दोनों के सिर डिवाइडर पर रखे सीमेंट के गमलों से टकरा गए। गंभीर रूप से घायल दोनों युवकों को एंबुलेंस से उपचार के लिए हमीदिया अस्पताल पहुंचाया गया। वहां चेक करने के बाद डाक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। एयरपोर्ट के पास तीखे मोड़ पर एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हालांकि हादसे में कार चालक सकुशल बच गया। घटना के बाद चालक ने अपने स्तर पर कार क्रेन से उठवा ली। गांधी नगर थाना पुलिस के मुताबिक रविवार शाम को कार पलटने की सूचना मिली थी, लेकिन कोई शिकायत थाने नहीं पहुंची।

खजुराहो में सवाल, आइएनडीआइए के नेता आरबी प्रजापति के लिए कितना जुटेंगे

सिटी चीफ भोपाल।

आइएनडीआइए में समझौते के अंतर्गत कांग्रेस से सपा को मिली खजुराहो लोकसभा सीट पर सपा या कांग्रेस से अभी तक किसी बड़े नेता की सभा नहीं हुई है, न ही अभी किसी का कार्यक्रम निर्धारित है। यहां पर 26 अप्रैल को चुनाव होना है। 24 अप्रैल की शाम बाद सात बजे से प्रचार थम जाएगा। इस तरह अब तीन दिन ही प्रचार के लिए बचे हैं। उल्लेखनीय है कि यहां से सपा प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन पत्र निरस्त होने के बाद गठबंधन ने आल इंडिया फारवर्ड ब्लाक के प्रत्याशी आरबी प्रजापति को समर्थन दिया है, पर यह सिर्फ खानापूर्ति साबित हो रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव की सभा का भी प्रस्ताव

था, पर अभी तक उनका कार्यक्रम निर्धारित नहीं हुआ है। मीरा यादव का नामांकन पत्र निरस्त होने के लगभग 10 दिन बाद सपा, कांग्रेस और आइएनडीआइए में शामिल अन्य दलों ने एकराय से सेवानिवृत अधिकारी आरबी प्रजापति को अपना समर्थित प्रत्याशी घोषित किया है। यहां उनका मुकाबला भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा से है। इस कारण यह चर्चित सीट है।आरबी प्रजापति को प्रत्याशी घोषित करते समय सपा और कांग्रेस, दोनों ने कहा था कि खजुराहों में दोनों दलों के राष्ट्रीय नेताओं की सभाएं होंगी। शनिवार को यहां प्रदेश कांग्रेस जीतू पटवारी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण यादव, राज्य सभा सदस्य विवेक तनखा और समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव की वहां के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक हुई, पर कोई जनसभा नहीं की। मनोज यादव ने बताया अखिलेश यादव का अभी कोई कार्यक्रम तय नहीं हुआ है, पर पन्ना में उनकी सभा हो सकती है।

छात्रा का पीछा करता था, फर्जी आइडी बनाकर अश्लील मैसेज भी भेजे

सिटी चीफ भोपाल।

बिलखिरिया थाना पुलिस ने एक कालेज की छात्रा की शिकायत पर कालेज के शिक्षक के खिलाफ पीछा करने, अश्लील मैसेज भेजकर छेड़छाड़ करने का केस दर्ज किया है। आरोपित के खिलाफ आइटी एक्ट के तहत कार्रवाई भी की गई है। बिलखिरिया थाना पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के एक कालेज में पढ़ रही 19 वर्षीय छात्रा के नाम से सोशल मीडिया पर किसी ने फर्जी आइडी बना ली थी। उसके माध्यम से अश्लील मैसेज भेजे जा रहे थे। परेशान होकर छात्रा ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। साथ ही संदेही के रूप में कालेज में पढ़ाने वाले चिराग चौरे नाम के

युवक का नाम बताया था। जांच में पता चला कि चिराग ने ही फर्जी आइडी बनाई थी। जांच में पता चला कि मार्च माह में कालेज में काम पड़ने पर चिराग ने छात्रा को मोबाइल नंबर मांग लिया था। उसके बाद उसने छात्रा का पीछा करना शुरू कर दिया। उसके छात्रा से जबरन दोस्ती करना चाही, तो छात्रा ने साफ मना कर दिया था। उसके बाद चिराग ने छात्रा के नाम से फर्जी आइडी बनाकर इंटरनेट मीडिया पर अश्लील मैसेज भेजना शुरू कर दिए थे। उधर इस घटना का पता चलने पर कालेज प्रबंधन ने चिराग को नौकरी से हटा भी दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नहीं दिखा 10 प्रतिशत वोट शेयर का असर, मप्र में पहले चरण की 6 सीटों पर 12 प्रतिशत तक घटा मतदान

सिटी चीफ भोपाल।

भाजपा ने भले ही बूथ स्तर पर माइक्रो मैनेजमेंट की प्लानिंग के साथ कार्यकर्ताओं को जुटाकर चुनावी तैयारी की हो, लेकिन मप्र में लोकसभा चुनाव के पहले चरण की छह सीटों पर 10 से 12 प्रतिशत तक घटे मतदान प्रतिशत से स्पष्ट है कि प्रत्येक बूथ पर 10 प्रतिशत वोट शेयर बढ़ाने का भाजपा का फार्मूला काम नहीं आया है। बूथों पर पिछले चुनाव के मुकाबले बहुत कम मतदान हुआ है। भाजपा ने पांच माह पहले विधानसभा चुनाव में बूथ प्रबंधन के बूते ही वोट शेयर बढ़ाकर 48.55 प्रतिशत मत पाया था। 230 सीटों में से भाजपा ने 163 पर जीत

दर्ज कर प्रचंड जीत हासिल की थी। भाजपा के राष्ट्रीय अधिवेशन में मध्य प्रदेश के बूथ प्रबंधन की जमकर तारीफ हुई थी और यही वजह है लोकसभा चुनाव में भी बूथ प्रबंधन के इस फार्मुले को और अधिक प्रभावी बनाते हुए कार्यकर्ताओं को जुटाया गया था, लेकिन परिणाम इसके ठीक उलट रहे। पहले चरण की छह सीटों में से कमल नाथ के गढ़ छिंदवाड़ा में 79.83 प्रतिशत मतदान हुआ है। वहीं, 2019 में यहां 82.39 प्रतिशत मतदान हुआ था। इसके मुकाबले छिंदवाड़ा में 3.21 कम मतदान हुआ। यहां पर भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी थी। इसी तरह अन्य पांच सीटों पर भी मतदान 2019 के मुकाबले नहीं बढ़ा। बालाघाट में 4.43, मंडला में 5.27, जबलपुर में 8.91, शहडोल में 11 और सीधी में 14.51 प्रतिशत कम मतदान रहा। जबकि, 2014 और 2019 के चुनाव में लगातार मतदान प्रतिशत में वृद्धि हुई थी।

अपने गृह विधानसभा क्षेत्र में ही मतदाताओं को नहीं निकाल पाए उम्मीदवार

सिटी चीफ भोपाल।

मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर भाजपा, कांग्रेस और चुनाव आयोग विधानसभा चुनाव के बाद से ही तैयारियों में जुट गए थे। घर-घर संपर्क अभियान चलाए गए पर प्रदेश में हुए पहले चरण के लोकसभा चुनाव के मतदान में परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं रहे। भाजपा और कांग्रेस के एक भी उम्मीदवार अपने गृह विधानसभा क्षेत्र में ही पांच माह पहले हुए विधानसभा चुनाव के बराबर मतदान नहीं करवा पाए। इसका बड़ा कारण गर्मी को बताया जा रहा है।

छिंदवाड़ा-सौंसर में भी घटा मतदान

प्रदेश में सर्वाधिक चर्चा छिंदवाड़ा लोकसभा क्षेत्र की रही। कांग्रेस और कमल नाथ के इस गढ़ को भेदने के लिए भाजपा ने कोई कसर नहीं छोड़ी। मतदान अपने पक्ष में अधिक से अधिक करवाने के लिए भाजपा ने बूथ प्रबंधन पर जोर दिया। पार्टी के उम्मीदवार विवेक बंटी साहू के गृह विधानसभा क्षेत्र छिंदवाड़ा में विधानसभा चुनाव की तुलना में 6.55 प्रतिशत मतदान कम रहा। नकुल नाथ सौंसर विधानसभा क्षेत्र से आते हैं। यहां 6.78 प्रतिशत मतदान कम रहा।

सीधी-सिहावल में आई सर्वाधिक कमी

सीधी से डा. राजेश मिश्रा भाजपा के उम्मीदवार थे। वह सीधी विधानसभा से आते हैं। यहां विधानसभा चुनाव में 69.57 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो लोकसभा चुनाव में घटकर 49.55 रह गया, यानी 20.02 प्रतिशत कम मतदाता घरों से निकले। यही स्थिति कांग्रेस के उम्मीदवार पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के विधानसभा क्षेत्र सिहावल में भी रही। यहां विधानसभा चुनाव में 69.3 प्रतिशत मतदान हुआ था, जो लोकसभा चुनाव में 16.86 प्रतिशत घटकर 52.44 प्रतिशत रह गया।

बालाघाट में 10.8 प्रतिशत की कमी

भाजपा और कांग्रेस ने बालाघाट लोकसभा सीट के लिए अपने-अपने उम्मीदवार जिस बालाघाट विधानसभा क्षेत्र से दिए, वहां 73.09 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान किया। विधानसभा चुनाव में यह 83.89 प्रतिशत था, यानी 10.8 प्रतिशत मतदाता मतदान के लिए घरों से नहीं निकले।

जबलपुर में 9.8 प्रतिशत मतदाता घर से नहीं निकले

जबलपुर में भाजपा और कांग्रेस ने प्रत्याशी बदलने का प्रयोग किया। भाजपा ने आशीष दुबे को मैदान में उतारा तो कांग्रेस ने योगेश यादव को आगे किया। दोनों का यह पहला चुनाव था। यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोड शो करके माहौल बनाया पर न तो भाजपा के उम्मीदवार अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं को घर से निकलवा पाए और कांग्रेस के उम्मीदवार भी असफल रहे। दोनों का विधानसभा क्षेत्र जबलपुर उत्तर है और यहां मतदान विधानसभा चुनाव के मुकाबले 9.4 प्रतिशत कम रहा। विधानसभा चुनाव में 72.18 मतदाताओं ने मतदान किया था, जो पांच माह बाद 19 अप्रैल को घटकर 62.78 रह गया।

शहडोल में 14.57 प्रतिशत घटा

शहडोल में भाजपा ने हिमाद्री सिंह और कांग्रेस ने फुंदेलाल सिंह मार्को को उम्मीदवार बनाया। दोनों एक ही विधानसभा क्षेत्र पुष्पराजगढ़ से आते हैं। यहां विधानसभा चुनाव में 80.16 प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान में भाग लिया था लेकिन पांच माह बाद हुए लोकसभा चुनाव में 65.59 प्रतिशत ने ही अपने मताधिकार का उपयोग किया। यहां दोनों चुनाव के बीच मतों का अंतर 14.57 प्रतिशत रहा।

मंडला में अनुभव भी नहीं आया काम

भाजपा और कांग्रेस ने मंडला में अपने अनुभवी नेताओं को उम्मीदवार बनाया। भाजपा से फग्गन सिंह कुलस्ते ने चुनाव लड़ा, जो पांच माह पहले विधानसभा चुनाव लड़ चुके थे। इसके बाद भी वह अपने विधानसभा क्षेत्र निवास में मतदाताओं को घरों से नहीं निकलवा पाए। यहां 74.19 प्रतिशत मतदान रहा, जो विधानसभा चुनाव में 82.10 प्रतिशत था। इसी तरह कांग्रेस के ओमकार सिंह मरकाम के क्षेत्र डिंडौरी में 83.39 प्रतिशत से घटकर मतदान 75.95 प्रतिशत रह गया।

साम्पदकीय

विपक्षी गठबंधन के साथ समस्या नेतृत्व की

चार दशकों तक भारत में चुनावों पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्री ने कहा कि विपक्षी गठबंधन के साथ समस्या नेतृत्व की है। अर्थव्यवस्था सबसे अधिक मायने रखती है, नेतृत्व दूसरे स्थान पर है और दोनों ही भाजपा के पक्ष में हैं। अगर विपक्ष ने एक ऐसे नेता का चयन किया होता, जो बड़े पैमाने पर अपील कर सकता था या प्रधानमंत्री मोदी की आधी अपील का अनुमान लगा सकता था, तो मुझे लगता है कि यह एक प्रतियोगिता हो सकती थी।

लोकसभा चुनाव के पहले फेज की वोटिंग हो गई है। ठीक 5 दिन बाद दूसरे चरण की वोटिंग होगी। एनडीए और इंडिया गठबंधन के अपने-अपने जीत के दावे हैं। एक और पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए ने पहले ही 400 पार सीटें आने की भविष्यवाणी की है, तो दूसरी ओर महागठबंधन 19 अप्रैल को हुई कम वोटिंग के बाद 4 जून के नतीजों को लेकर आश्वस्त है। इस बीच एक शीर्ष अर्थशास्त्री और चुनाव विश्लेषक की भविष्यवाणी विपक्ष को मायूस कर सकती है। अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला ने एक टीवी चैनल से बातचीत में बताया कि इस बार के चुनाव में बीजेपी को अकेले 330 से 350 सीटें मिल सकती हैं। सुरजीत भल्ला ने अपनी नई किताब हाउ वी वोट में मतदाताओं की मानसिकता का विवरण दिया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि तमिलनाडु की 39 लोकसभा सीटों में से 5 सीट भाजपा के खाते में जाएंगी और पार्टी 2019 के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन करने की संभावना है। सुरजीत भल्ला ने कहा कि सांख्यिकीय संभावना के आधार पर, बीजेपी को अपने दम पर 330 से 350 सीटें मिलनी चाहिए। यह सिर्फ भाजपा अकेले हासिल कर सकती है। भल्ला ने इस बात से सहमति व्यक्त करते हुए कहा कि जिस पार्टी का अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में है, वह 2019 के परिणामों की तुलना में जीती गई सीटों में 5 से 7 प्रतिशत की वृद्धि देखेगी। उन्होंने कहा कि यह एक लहर वाला चुनाव हो सकता है। चार दशकों तक भारत में चुनावों पर नजर रखने वाले अर्थशास्त्री ने कहा कि विपक्षी कांग्रेस को 44 सीटें मिल सकती हैं, जो 2014 के चुनाव में मिली सीटों से 2 प्रतिशत कम है। सुरजीत भल्ला ने बताया कि विपक्षी गठबंधन के साथ समस्या नेतृत्व की है। अर्थव्यवस्था सबसे अधिक मायने रखती है, नेतृत्व दूसरे स्थान पर है और दोनों ही भाजपा के पक्ष में हैं। अगर विपक्ष ने एक ऐसे नेता का चयन किया होता, जो बड़े पैमाने पर अपील कर सकता था या प्रधानमंत्री मोदी की आधी अपील का अनुमान लगा सकता था, तो मुझे लगता है कि यह एक प्रतियोगिता हो सकती थी। उन्होंने भविष्यवाणी की कि भाजपा तमिलनाडु में कम से कम पांच सीटें जीत सकती है, जहां भाजपा पारंपरिक रूप से एक कमजोर पार्टी रही है। उन्होंने कहा कि मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर सभी स्थानों में से, तमिलनाडु में भाजपा को पांच से अधिक सीटें मिलती हैं। केरल में, शायद एक या दो सीटें मिलेंगी। उन्होंने इस संभावना के लिए लोगों की जीवन स्थितियों में सुधार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, भारत इस आधार पर मतदान करता है कि लोगों के जीवन में कितना सुधार हुआ है। यही मूल आधार है। यह जाति नहीं है, लिंग नहीं है, विभिन्न कारक नहीं हैं जिनके लिए लोग जिम्मेदार हैं, लेकिन यह ठीक वही है जो बिल क्लिंटन ने 1992 में कहा था, यह अर्थव्यवस्था है, मूर्खतापूर्ण। अर्थशास्त्री ने बताया कि हम जो कहते हैं वह यह है कि उनके जीवन में महत्वपूर्ण सुधार के कारण, 1 प्रतिशत या 1 करोड़ 40 लाख लोग गरीबी की पुरानी परिभाषा से गरीब हैं। देखिए, हमने विकास किया है, प्रति व्यक्ति खपत में सुधार हुआ है, जीवन में सुधार हुआ है, इसलिए गरीबी रेखा को ऊपर उठाएं। कुछ मायनों में, शायद आबादी का एक चौथाई हिस्सा गरीब है। गरीबी अब सापेक्ष है, अब निरपेक्ष नहीं है। सुरजीत भल्ला ने कहा कि गरीब हमेशा हमारे साथ रहेगा। अमीर हमेशा हमारे साथ रहेंगे। यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप कैसे परिभाषित करते हैं कि गरीब कौन हैं, और हम विश्व बैंक की 1.9 डॉलर प्रति व्यक्ति प्रति दिन की परिभाषा का उपयोग करते हैं। हम कह रहे हैं कि जीवन और अर्थव्यवस्था में सुधार के कारण इसे दोगुना किया जाना चाहिए। उन्होंने थिंक टैंक सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के आंकड़ों को अविश्वसनीय बताते हुए खारिज कर दिया और चुनाव के मौसम में भाजपा को निशाना बनाने के लिए सीएमआईई आंकड़ों का चुनिंदा रूप से उपयोग करने के लिए विपक्ष को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि दुनिया में हर जगह, विपक्ष हमेशा कहेगा कि मुद्रास्फीति अधिक है, नौकरियां बहुत कम हैं। लेकिन उदाहरण के लिए, भारत में 2019 की तुलना में बेरोजगार लोगों का प्रतिशत कम है। भल्ला ने कहा कि मैं ही अकेला नहीं हूं जो सीएमआईई के आंकड़ों पर सवाल उठा रहा हूं। कई लेखकों ने भी ऐसा किया है। उनका कहना है कि आज भारत में यमन और इराक से भी कम महिलाएं कार्यबल में हैं, शायद 10 प्रतिशत से भी कम? यही मेरी बात है। यह बिल्कुल बेतुका है। फिर भी इसे इतना महत्व क्यों दिया जा रहा है? क्योंकि विपक्ष को यह पसंद है। मुझे लगता है कि सीएमआईई का डेटा दुनियाभर में अब तक प्रकाशित सबसे अविश्वसनीय आंकड़ों में से एक है।

कांग्रेस का सिमटता प्रभाव और खतरनाक सोच

पिछले दिनों जब राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस का एक प्रत्याशी जीता था, तो कर्नाटक विधानसभा के भीतर ही उसके समर्थकों ने खुशी में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। तब कांग्रेस के ही कुछ बड़े लोगों ने उसकी निंदा करने की बजाय यह तर्क दिया था कि पाकिस्तान हमारा मित्र देश है, उसकी बात करना गलत कैसे हो गया?

कर्नाटक विधानसभा में पिछले दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डीके सुरेश ने कहा कि केंद्र सरकार दक्षिण भारत के राज्यों को कम पैसा मुहैया करवाती है। इससे हो सकता है कि हम दक्षिण के राज्य भविष्य में भारत से अलग होने की सोचें। वैसे तो पूछा जा सकता है कि सुरेश बाबू को दक्षिण के राज्यों का प्रतिनिधि किसने बनाया? तमिलनाडु में कांग्रेस कामराज के बाद से लुप्त प्रजाति में शामिल हो चुकी है। डीएमके चुनाव के मौसम में उसे कंधे पर इस लहजे में उठा लेती है जैसे नई पीढ़ी के ज्ञान के लिए ऐतिहासिक चीजों का प्रदर्शन किया जाता है। लेकिन सुरेश बाबू ने जब से यह रहस्योद्घाटन किया है तब से कम से कम प्रदेश में कांग्रेस के लोगों में यह भय बैठ गया है कि कहीं पार्टी विभाजन को लेकर किसी एजेंडा पर तो नहीं चल रही? पिछले दिनों कर्नाटक में कांग्रेस की एक विशाल जनसभा हो रही थी। उसमें कांग्रेस में सोनिया गांधी परिवार का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे भी मंचासीन थे। कांग्रेस के एक विधायक लक्ष्मण संवादी भी मंच पर थे। वे भाषण दे रहे थे। उनके मन में इच्छा हो रही थी कि वे मंच पर से भारत माता की जय का नारा लगाएं। लेकिन डर रहे थे कि कहीं इस नारे से पार्टी अध्यक्ष बुरा न मान जाएं। कुछ देर तक लक्ष्मण के मन में डर और श्रद्धा के बीच द्वन्द्व चलता रहा होगा। लेकिन अंत में राष्ट्रीयता की जीत हुई। उन्होंने मंच पर से ही मल्लिकार्जुन खडगे से पूछा कि यदि आप बुरा न माने तो मैं भारत माता की जय का एक नारा लगा लूं। आखिर क्या कारण है कि कांग्रेस के कार्यकर्ता जानते हैं कि अब पार्टी में भारत माता की जय या जय श्री राम का जयघोष करना खतरे से खाली नहीं है। इसका अर्थ स्पष्ट है कि कांग्रेस का आम कार्यकर्ता तो देश को अखंड रखने के लिए या फिर अखंड भारत के लिए लालायित है, लेकिन उसका नेतृत्व अपने संकुचित राजनीतिक हितों के लिए भारत को तोड़ने की हद तक भी जा सकता है।

महात्मा गांधी से लेकर सोनिया परिवार तक की यह यात्रा सचमुच चौंकाती है। यह यात्रा रघुपति राघव राजा राम से शुरू हुई थी और राम मंदिर के निर्माण के विरोध तक ही नहीं, बल्कि राम के अस्तित्व को ही नकारने तक पहुंच गई है। यही कारण है कि पार्टी प्रधान की हाजिरी में कांग्रेस का विधायक भारत माता की जय का नारा लगाते हुए भी डरता है कि कहीं पार्टी एक्शन न ले ले। दरअसल पिछले कुछ अरसे से भाजपा ने जनसंघ के समय से चले आ रहे अपने अखंड भारत के संकल्प को ज्यादा जोर से कहना शुरू कर दिया है। तब भी शायद कोई इसको ज्यादा तवज्जो न देता यदि भाजपा ने भारतीय संविधान में से अनुच्छेद 370 को न हटा दिया होता। इससे लोगों में यह विश्वास जगने लगा है कि पार्टी घोषणा पत्र/संकल्प पत्र में जो लिखती है, उसे पूरा करती है। चाहे उसमें कितना ही समय क्यों न लगे। इसके पहले चरण में तो पाकिस्तान के कब्जे से वे इलाके मुक्त करवाना है जो उसने 1947 में कश्मीर पर हमला करके भारत से छीन लिए थे। इसके संकेत प्रधानमंत्री मोदी अनेक बार दे भी चुके हैं। इससे पाकिस्तान का चिंतित होना स्वाभाविक ही है। लेकिन लगता है पाकिस्तान से ज्यादा चिंता इससे कांग्रेस के नेतृत्व को हो रही है। उस चिंता को व्यक्त करने का तरीका सामान्य नहीं है। उसका कहना है कि भारतीय जनता पार्टी देश को विभाजित करना चाहती है। आरोप इस प्रकार का है कि आम भारतीय को यह हजम नहीं होता।

सोनिया गांधी परिवार ने ऐसा आरोप मुस्लिम लीग या सीपीएम पर लगाया होता तो शायद भारत के लोग इस पर ज्यादा आश्चर्यचकित न होते। लेकिन यह परिवार ऐसा नहीं कर सकता, क्योंकि इन दोनों के साथ केरल में परिवार का राजनीतिक समझौता है। इसलिए उसने यह आरोप भाजपा पर लगाना आसान मान लिया। लेकिन भाजपा आखिर विभाजन करवाना कैसे चाहती है? परिवार का कहना है कि भाजपा नार्थ-साऊथ डिवाइड के रास्ते पर चल रही है। लेकिन लोग आखिर इसके लिए प्रमाण की मांग करेंगे ही। वैसे यह जरूरी नहीं है कि राहुल गांधी जो भी कहते रहते हैं, उसके लिए कुछ प्रमाण भी उनके पास होते ही हों। वे स्वयं को इस प्रकार के सभी बंधनों से आजाद मानते हैं। सुरेश बाबू का तर्क यदि गहराई से देखा जाए तो कुछ बातें स्पष्ट हो रही हैं। कांग्रेस का कहना है कि उत्तर भारत, पश्चिमी भारत और कुछ सीमा तक पूर्वी भारत के लोग भारतीय जनता पार्टी को वोट देते हैं, इसलिए केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनती है। दक्षिणी प्रान्तों के लोग भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देते, इसलिए भारतीय जनता पार्टी इन दक्षिणी क्षेत्रों से नाराज है। भारतीय जनता पार्टी अपनी यह नाराजगी इन दक्षिणी राज्यों से बदला लेकर निकालती है। बदला लेने का तरीका यही अपनाती है कि इन राज्यों को कम पैसा आवंटित किया जाता है। कांग्रेस के वरिष्ठ मंत्री डीके सुरेश इसका एक ही हल बताते हैं कि फिर दक्षिण के राज्यों को देश से अलग होना पड़ेगा। सुरेश बाबू के तर्कों को निश्चय ही देखना पड़ेगा।

सुरेश बाबू कर्नाटक से ताल्लुक रखते हैं। कर्नाटक में मुख्य रूप से दो ही राजनीतिक दल हैं। भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस। वहां एक बार भाजपा और दूसरी बार कांग्रेस सत्ता में आती है। इससे कोई भी अक्लमंद आदमी यह तो नहीं कहेगा कि कर्नाटक के लोग भाजपा को वोट नहीं देते। दूसरा उदाहरण तेलंगाना का ले सकते हैं। तेलांगना में मुख्य रूप से तीन राजनीतिक दल हैं। कांग्रेस, भारत राष्ट्र समिति और भारतीय जनता पार्टी। इन तीनों दलों को कुछ अंतर से सम्मानजनक वोट मिलते हैं। इसलिए तीनों राजनीतिक दलों की स्थिति राज्य में बराबर है। शेष दक्षिण के तीन राज्य हैं आंध्रप्रदेश, केरल और तमिलनाडु। तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश में कांग्रेस और भाजपा की स्थिति लगभग बराबर ही है। इन दोनों की स्थिति नगण्य है। इसका अर्थ हुआ कि दक्षिण के राज्यों में भाजपा और कांग्रेस की स्थिति लगभग बराबर ही है। फिर सुरेश बाबू किस हैसियत से मानते हैं कि कांग्रेस को सभी दक्षिणी राज्यों के प्रतिनिधि के तौर पर बोलने का अधिकार है। सुरेश बाबू एक बात शायद भूल रहे हैं कि पिछले दिनों जब राज्यसभा के चुनाव में कांग्रेस का एक प्रत्याशी जीता था, तो कर्नाटक विधानसभा के भीतर ही उसके समर्थकों ने खुशी में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए थे। तब कांग्रेस के ही कुछ बड़े लोगों ने उसकी निंदा करने की बजाय यह तर्क दिया था कि पाकिस्तान हमारा मित्र देश है, उसकी बात करना गलत कैसे हो गया? शायद उसी के कारण कांग्रेस के आम कार्यकर्ता के मन में कहीं न कहीं डर बैठ गया है कि भारत माता की जय से कांग्रेस नेतृत्व चिढ़ता है और पाकिस्तान जिंदाबाद से नाराज नहीं होता। अंबेडकर को शायद कांग्रेस से इसी बात का अंदेशा था। इसीलिए उन्होंने संविधान सभा में अपने अंतिम संबोधन में चेतावनी दी थी कि हमें इस प्रकार की वृत्तियों से सावधान रहना होगा। इसी के कारण हमारा देश पूर्वकाल में गुलाम होता रहा है। हम अपने निजी स्वार्थों के कारण आपस में ही लड़ने लगे रहते हैं और विदेशी दुश्मन इसका लाभ उठाते हैं। आज लगता है अंबेडकर को जिस बात का डर था, कांग्रेस नेतृत्व अपने क्षुद्र राजनीतिक स्वार्थों के कारण उसी रास्ते पर चल पड़ा है। पिछले कुछ सालों से राहुल गांधी के बयानों को भी इसी गहरी नजर से देखना चाहिए। वह अमरीका के लोगों को बताते रहे हैं कि भारत को पाकिस्तान समर्थक इस्लामी आतंकवादियों से इतना डर नहीं है जितना राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ से। सौभाग्य है कि कांग्रेस का आम कार्यकर्ता और देश की जनता कांग्रेस नेतृत्व की भारत को विभाजित करने की इस थ्यूरी से सहमत नहीं है। यही कारण है कि वह कांग्रेस नेतृत्व की इस देश विरोधी रणनीति से सचेत होकर उसे नकार रही है।

प्रकाश संश्लेषण और शाकाहार को प्रोत्साहन देना जरूरी, ताकि तपती धरती को राहत मिले...

वर्ष 1970 से प्रति वर्ष 22 अप्रैल को पृथ्वी दिवस मनाया जा रहा है। लेकिन पृथ्वी को बचाने और उसके भविष्य को सुनिश्चित करने के लिए सबसे आवश्यक जिन दो सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं की अनदेखी की गई है, वे हैं प्रकाश संश्लेषण और शाकाहार। जबकि ये दोनों परस्पर जुड़े प्राकृतिक और सामाजिक समाधान जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने और भावी पीढ़ियों के लिए हमारे ग्रह पर जीवन को अक्षुण्ण रखने के महत्वपूर्ण उपाय हैं।प्रकाश संश्लेषण सूर्य के प्रकाश को जीवन-ऊर्जा में रूपांतरित करने की नैसर्गिक घटना है और शाकाहार प्राकृतिक दोहन को नियंत्रित करने की मानव की मौलिक प्रकृति-प्रदत्त जीवन शैली। इन्हें प्रोत्साहित किए बिना हमारे जीवित ग्रह को बचा पाना संभव नहीं होगा। प्रकाश संश्लेषण पृथ्वी पर जीवन का आधार है, जिसके माध्यम से हरे पौधे, शैवाल और कुछ जीवाणु सूर्य के प्रकाश का उपयोग करके कार्बन डाइऑक्साइड और पानी को ग्लूकोज में परिवर्तित कर ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं। यह नैसर्गिक क्रिया न केवल वनस्पति के साम्राज्य को बनाए रखती है, वरन हमारे सांस लेने के लिए ऑक्सीजन भी प्रदान करती है। ग्लूकोज पृथ्वी के समस्त जीव रूपों का प्राथमिक ऊर्जा स्रोत है। वास्तव में यह सौर ऊर्जा ही है, जो प्रकाश संश्लेषण के माध्यम से जैव-रसायन ऊर्जा में रूपांतरित हो जाती है। इसी से हमारा ग्रह एक जिंदा ग्रह बना है। वर्तमान में हमारी पृथ्वी जलवायु परिवर्तन के ऐसे कुचक्र में फंसी है, जिससे अगर यह बाहर न निकली, तो इसका भविष्य ही खतरे में पड़ जाएगा। पृथ्वी को इस दुश्चक्र से मुक्त करने के लिए सबसे प्रभावशाली रणनीति है प्रकाश संश्लेषण की उच्चतम क्षमता तक अभिवृद्धि। जलवायु परिवर्तन की केंद्रीय संचालक है वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड। वनों की अंधाधुंध कटाई, औद्योगिकीकरण और जीवाश्म ईंधनों के दहन जैसी मानव गतिविधियों ने इस नाजुक संतुलन को बाधित कर दिया है, जिससे वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड में खतरनाक वृद्धि हुई है तथा ग्लोबल वार्मिंग एवं जलवायु परिवर्तन का संकट बढ़ा है। इससे निपटने के लिए हमें न केवल बचे हुए वनों और अन्य पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा करनी चाहिए, वरन वनीकरण और पुनर्वनीकरण प्रयासों को भी बढ़ावा देना चाहिए। हरित आवरण का विस्तार करके हम प्रकाश संश्लेषण के लिए पृथ्वी की प्राकृतिक क्षमता को बढ़ा सकते हैं, जिससे कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को कम कर जलवायु परिवर्तन को नियंत्रण में रखा जा सकता है। इसके साथ-साथ शाकाहार को अपनाना पृथ्वी की जीवटता में और प्राण फूंकने की दिशा में एक व्यावहारिक कदम होगा। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के अनुसार, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में पशुधन उद्योग का महत्वपूर्ण योगदान है, जो वैश्विक मानवजनित उत्सर्जन का लगभग 14.5 प्रतिशत है। पशुओं के सघन औद्योगिक पालन से न केवल भारी मात्रा में ग्रीनहाउस गैस मीथेन उत्पन्न होती है, बल्कि इसके लिए व्यापक भूमि, पानी और चारा की भी आवश्यकता होती है, जिससे वनों की कटाई और जैव विविधता के क्षरण को बढ़ावा मिलता है। ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में मांस उद्योग एक बड़ा स्रोत है। इसके विपरीत पौधों पर आधारित आहार में कार्बन पदचिह्न काफी कम होता है। शाकाहार खान-पान की एक शैली ही नहीं, एक संपूर्ण जीवन दर्शन है, जिसे अपनाकर हम प्रकाश संश्लेषण के निकटस्थ, अर्थात सूर्य की शक्ति के सबसे निकट, जीवन यापन कर प्रकृति के सिद्धांतों का अनुपालन कर सकते हैं। वैसे भी जीवन विकास के क्रम में अपनी आकृति-प्रकृति, एनाटॉमी, शारीरिक कार्यिकी, अपने स्वभाव और अपनी चेतना से मानव एक शाकाहारी प्राणी है। शाकाहार को अपनाकर हम पृथ्वी की पारिस्थितिकी सुरक्षा में योगदान दे सकते हैं। वैसे भी वनस्पति-आधारित आहार कई तरह के स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है, जिनमें मोटापा और कई तरह के कैंसर के खतरों से बचाव सम्मिलित हैं। प्रकाश संश्लेषण और शाकाहार के बीच तालमेल पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने के लिए पौधों की शक्ति का उपयोग करने के उनके साझा लक्ष्य में स्पष्ट है। संपूर्ण मानवता द्वारा शाकाहार अपनाने और प्रकाश संश्लेषण को चरम तक ले जाने वाली प्राथमिकताओं का समर्थन कर हम प्रकृति के साथ अधिक सामंजस्यपूर्ण संबंध को बढ़ावा दे सकते हैं और एक हरित और स्वस्थ भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन पर अपेक्षित नियंत्रण करने के साथ-साथ प्रकाश संश्लेषण और शाकाहार पर्यावरण के लिए कई सह-लाभ प्रदान करते हैं। शाकाहारी भोजन पैदा करने के लिए मांस-प्रधान आहार की तुलना में काफी कम पानी और भूमि की आवश्यकता होती है, जिससे बहुमूल्य संसाधनों के संरक्षण के उपयुक्त उपाय किए जा सकते हैं।

समाजः अपराधों के दुश्चक्र में नाबालिग... सही-गलत की पहचान कराना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए

जिस उम्र में बच्चों के हाथों में किताब और बैट-बॉल जैसी चीजें शोभा देती हैं, उस उम्र के बच्चों के हाथों में चाकू-छुरे जैसी चीजें देखना दिल दहला देने वाली घटना है। हाल के कुछ वर्षों में नाबालिग बच्चों द्वारा अपराध की घटनाओं में तेजी दिख रही है। हाल ही में तिमारपुर इलाके में महज माचिस देने से मना करने पर एक नाबालिग ने 21 साल के युवक की चाकू से हत्या कर दी। साल भर पहले भी उसी नाबालिग ने महज कंधा टकराने पर 16 साल के एक नाबालिग की चाकू से गोदकर हत्या कर दी थी। उसके बाद कुछ समय तक बाल सुधार गृह में रहने के बाद वह बाहर आ गया। वहीं 2023 के अंत में दक्षिण पूर्वी जिले के बदरपुर इलाके में तीन नाबालिगों ने किशोरी दोस्त के साथ गैंगरेप किया और वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। ये घटनाएं आपराधिक मामलों में नाबालिगों की संलिप्तता की बानगी हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों की मानें, तो वर्ष 2022 में देश में नाबालिगों द्वारा कुल 30,555 अपराध किए गए, जिनमें झपटमारी, लूटपाट, वाहन चोरी, घरों में चोरी, ठगी की वारदातें और यहां तक कि दुष्कर्म के मामले भी शामिल हैं। आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं के साथ

किए गए अपराधों में 3,545 नाबालिगों के खिलाफ कार्रवाई की गई थी, जिनमें से 345 मामले जबरन शादी के इरादे से महिलाओं के अपहरण से संबंधित मामले पाए गए। नाबालिगों द्वारा अपराध के मामले में देश की राजधानी 2,340 से अधिक मामलों के साथ छठे स्थान पर है। वहीं पहले स्थान पर महाराष्ट्र(4,406), फिर मध्य प्रदेश (3,795) और राजस्थान (3,063) हैं। नाबालिगों द्वारा अपराध के मामलों में इजाफे का क्या कारण है? क्या इन सबके पीछे का कारण दोषपूर्ण परवरिश व सामाजिक माहौल में बदलाव है या नई तकनीकी दुनिया। फरवरी 2024 में बिहार से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई थी, जिसमें मरने से पहले इंसान को तड़पता हुआ देखने के लिए तीन नाबालिग लड़कों ने कैब ड्राइवर को इतनी बेरहमी से मौत के घाट उतारा कि किसी की भी रुह कांप जाए। एक ने ड्राइवर के गले में फंदा डाला, तो दूसरे ने ड्राइवर के गले में कील घोंप दी। इसके बाद वे रस्सी से ड्राइवर का गला तब तक कसते रहे, जब तक उसकी मौत नहीं हो गई। पुलिस के सामने उन्होंने कबूला कि उसकी जान निकलते देखने में उन्हें बहुत आनंद आ रहा था। उन्होंने यह भी कबूला कि कत्ल करने का यह तरीका उन्होंने यूट्यूब से सीखा और उस ड्राइवर से उनकी न तो जान-पहचान थी और न ही कोई दुश्मनी। पुलिस के लिए भी ऐसी विकृत मानसिकता चिंता का कारण बनी हुई है, क्योंकि ऐसे संगीन अपराधों में भी नाबालिगों को कड़ी सजा देने का प्रावधान नहीं है। उन्हें बाल सुधार केंद्र भेज दिया जाता है या उनकी काउंसिलिंग करा कर ही घर भेज दिया जाता है, जिस कारण कई बार बड़े-बड़े अपराधी उनका फायदा उठाते हैं और उन्हें अपराध के दलदल में फंसा देते हैं। बालमन को पैसों का मोह, मौज-मस्ती तेजी से अपनी ओर आकर्षित करता है। अपराध से जुड़ी फिल्मों और वेब सीरीज का भी बच्चों के दिमाग पर बुरा असर पड़ता है और उनमें आपराधिक मानसिकता को बढ़ावा देता है। बच्चे देश के भावी नागरिक होते हैं। यदि इनका भविष्य संवर गया, तो देश का विकास मुमकिन है और यदि इसी गति से नाबालिगों के अपराध के ग्राफ में बढ़ोतरी होती रही, तो वह दिन दूर नहीं, जब देश पर माफिया का राज होगा। इसलिए जरूरी है कि नाबालिगों द्वारा बढ़ते अपराध को कम करने के लिए सही सजा का प्रावधान हो और ऐसी नीति बनाई जाए कि बच्चों को जुल्म की दुनिया में कदम रखने से रोका जा सके। नाबालिगों को उसके अपराध की प्रकृति के आधार पर सजा का उचित प्रावधान होना चाहिए, ताकि जघन्य अपराधों की तरफ रुख करने से बालमन बचा रहे व कोई उन्हें बहला-फुसलाकर अपराध की राह पर न धकेल सके। सरकार, समाज, माता-पिता, अभिभावकों को बच्चों के बेहतर व्यक्तित्व विकास के लिए उन्हें नैतिक शिक्षा देनी चाहिए और स्वस्थ सामाजिक-सांस्कृतिक वातावरण प्रदान करना चाहिए। 11 से 16 वर्ष की किशोरावस्था किसी भी बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण के लिए महत्वपूर्ण समय होता है, इसलिए इस उम्र में उन्हें सही-गलत की पहचान कराना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए, ताकि स्वस्थ मानसिकता के साथ बच्चे अपनी जिम्मेदारी को समझ सकें और अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे देश का गौरव बन सकें।

BMCM की इस बात पर मानुषी छिल्लर ने जताई निराशा

बोलीं- इस बारे में यादा नहीं सोचती

पूर्व विश्व सुंदरी मानुषी छिल्लर हाल ही में फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में नजर आई हैं। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की यह फिल्म ईद के अवसर पर 11 अप्रैल को रिलीज हुई। ओपनिंग डे पर फिल्म ने बंपर कमाई की। इसके बाद वीकएंड पर भी फिल्म का कारोबार अ छा रहा। पहले सोमवार से इसकी कमाई में गिरावट होना शुरू हो गया। हाल ही में अभिनेत्री मानुषी छिल्लर फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर बात करती नजर आईं।

ऐसा हर बार नहीं होती फिल्म बड़े मियां छोटे मियां के बॉक्स ऑफिस प्रदर्शन से मानुषी निराश हैं। इस फिल्म में अपने किरदार के लिए जीतोड़ मेहनत करने के बावजूद फिल्म उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई है। उन्होंने फिल्म की किस्मत पर बात की। जूम से बातचीत के दौरान मानुषी छिल्लर ने कहा कि उनकी जिंदगी में रातोंरात कई सारे चीजें हुई हैं। एक अभिनेत्री के रूप में बेशक वह चाहती हैं कि उनकी फिल्में अ छा प्रदर्शन करें और लोग उनकी फिल्मों को पसंद करें, उनका आनंद लें। हालांकि, ऐसा हर बार नहीं होता है।

इस बात को लेकर जाहिर की खुशी फिल्म के कलेक्शन के बारे में मानुषी ने कहा कि यह बिल्कुल सामान्य है। मानुषी ने आगे कहा कि बतौर कलाकार उनके लिए यही महत्वपूर्ण है कि वह चीजें एक्सप्लोर करती रहें। मानुषी ने आगे कहा, बॉक्स ऑफिस नंबर किसी कलाकार के हाथ में नहीं होते। उन्होंने इससे समझौता कर लिया है और इसलिए इस बारे में यादा नहीं सोचती हैं।

जॉन अब्राहम के साथ आएंगी नजर मानुषी छिल्लर फिल्म बड़े मियां छोटे मियां में कैप्टन मिशा के किरदार में नजर आई हैं। फिल्म में अलाया एफ और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आए हैं। अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी इस फिल्म का हिस्सा अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और रोनित रॉय भी हैं। फिलहाल मानुषी छिल्लर का ध्यान अपने आगामी प्रोजेक्ट्स पर है। वह एक्शन थ्रिलर फिल्म तेहरान में नजर आएंगी। इसमें वह जॉन अब्राहम के साथ स्क्रीन साझा करती दिखेंगी।

आज शाम काजल अग्रवाल की इस फिल्म पर मिलेगा बड़ा अपडेट!

पुलिसवाली बनकर करेंगी एनकाउंटर

सुपरस्टार कमल हासन की आने वाली फिल्म इंडियन 2 को लेकर आए दिन नए अपडेट सामने आ रहे हैं। इस फिल्म के जरिए अभिनेत्री काजल अग्रवाल भी लंबे समय के बाद चर्चा में आ गई हैं। वह एक बेटे को जन्म देने के बाद काम पर लौटी हैं। काजल अग्रवाल को मैटरनिटी ब्रेक के बाद पर्दे पर देखने के लिए दर्शक काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। वह इंडियन 2 के अलावा फिल्म सत्यभामा को लेकर भी सुर्खियां बटोर रही हैं। अब इस फिल्म से जुड़ी एक खबर सामने आ रही है।

आम शाम मिलेगा बड़ा अपडेट

काजल अग्रवाल के प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह सत्यभामा से धमाकेदार वापसी करेंगी। आज शाम दर्शकों को इस फिल्म को लेकर सरप्राइज भी मिलने जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाम चार बजकर पांच मिनट पर सत्यभामा से जुड़ा बड़ा अपडेट मिलेगा। यह अपडेट क्या होने वाला है, इसे जानने के लिए लोग उतावले हो चले हैं। कहा जा रहा है कि फिल्म के निर्माता इसकी रिलीज की तारीख की घोषणा कर सकते हैं। काजल के फैंस को यह जानकर खुशी होगी कि इस फिल्म से जुड़े लोगों ने काजल अग्रवाल को जनता की रानी का खिताब दिया है।

सस्पेंडेड पुलिस ऑफिसर की भूमिका दिखेंगी काजल

सत्यभामा एक तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म है। इसमें काजल एक सस्पेंडेड पुलिस ऑफिसर की भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म के टीजर में उन्हें एक हत्यारे का पीछा करते हुए देखा गया था। उम्मीद की जा रही है कि फिल्म में धमाकेदार एक्शन देखने को मिल सकता है। इसका निर्देशन अखिल डेगाला ने किया है। वहीं, ऑरम आर्ट्स के बैनर तले बॉबी टिक्का और श्रीनिवास राव टक्कलपेल्ली ने फिल्म का निर्माण किया है। कहानी शशि किरण टिक्का ने लिखी हैं। फिल्म में काजल अग्रवाल के अलावा प्रकाश राज, नागिनेदु, नवीन चंद्रा, रवि वर्मा, अंकित कोय्या, हर्षवर्द्धन, नेहा पठान, अनिरुद्ध पवित्रन, सत्या प्रदीप्ति, प्र वल यादमा और रोहित सत्यन भी अभिनय करते दिखाई देंगे।

क्या अभिषेक बच्चन ने निभाया है जवान अश्वत्थामा का किरदार? अमिताभ के लुक ने उड़ाए यूजर्स के होश

फिल्म कल्कि 2898 एडी से सुपरस्टार अमिताभ बच्चन का फर्स्ट लुक सामने आ चुका है। उनके किरदार से पर्दा उठते ही सोशल मीडिया यूजर्स अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। बिग बी के किरदार के जवानी वाले लुक को देखकर कई लोग हैरान है। बता दें कि बिग बी इस फिल्म में अश्वत्थामा का किरदार अदा रहे हैं।

अमिताभबच्चन के लुक को लेकर भ्रम में पड़े लोग

अमिताभ बच्चनको अश्वत्थामा के किरदार में देखकर कुछ सोशल मीडिया यूजर्स हैरान है। पहली झलक में अमिताभ बच्चन का जवानी से लेकर बुढ़ापे तक का लुक देखने को मिल रहा है। इसे देखकर कुछ लोगों को लग रहा है कि अमिताभ बच्चन के जवानी वाले किरदार को अभिषेक ब चन ने निभाया है। एक यूजर ने एक्स पर अमिताभ की वायरल तस्वीर को देखकर पूछा, क्या जवान अमिताभ ब चन के किरदार में अभिषेक बच्चनहै? वहीं, एक अन्य यूजर ने पूछा कि क्या इस तस्वीर में अभिषेक बच्चनहैं?

इस बात की हो रही तारीफ

जहां कुछ लोग अमिताभ बच्चन के लुक को लेकर भ्रम में पड़े हैं तो वहीं कुछ लोग फिल्म निर्माताओं की मेहनत के लिए तारीफ भी कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन को जवान देखकर सोशल मीडिया यूजर्स फिल्म में इस्तेमाल की गई टेक्नोलॉजी को पसंद कर रहे हैं। एक यूजर ने एक्स पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, कल्कि के आर्ट डिजाइनर्स को मेरा सलाम। एक अन्य यूजर ने लिखा, कल्कि 2898 एडी की टीम ने टेक्नोलॉजी और डिटेलिंग पर शानदार काम किया है।

आईपीएल मैच से पहले रिलीज हुआ था लुक

फिल्म कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है। इस फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन, कमल हासन, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी अहम किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। इन सभी बड़े कलाकारों को एक साथ देखने के लिए दर्शक उतावले हो रहे हैं। मालूम हो कि पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटन्स के बीच रविवार शाम खेले गए आईपीएल मैच से पहले अमिताभ बच्चन के किरदार की पहली झलक पेश की गई थी।

भाईजान को लेकर चिंतित हैं उनके बहनोई आयुष शर्मा घर के बाहर गोलीबारी की घटना पर कही यह बड़ी बात

बॉलीवुड में दबंग खान के नाम से मशहूर अभिनेता सलमान खान के बहनोई आयुष शर्मा अपनी अगली फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं। वह लगातार खुद को इंडस्ट्री में बतौर अभिनेता स्थापित करने की कोशिश कर रहे हैं। आयुष इस वक्त अपनी आगामी फिल्म रुसलान को प्रमोट कर रहे हैं। यह पहला मौका है, जब अभिनेता ने अपनी फैमिली के प्रोडक्शन से बाहर की फिल्म की हैं। अभिनेता सलमान ने भी काफी गहरा रिश्ता साझा करते हैं। अब हाल ही में, आयुष शर्मा ने सलमान को लेकर एक बयान दिया है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है। सलमान खान के बहनोई आयुष शर्मा ने मुंबई में अभिनेता के घर के बाहर गोलीबारी की घटना पर चिंता व्यक्त की है और कहा है कि यह परिवार के लिए कठिन समय है। कुछ दिन पहले मुंबई में सलमान खान के घर के बाहर दो लोगों ने फायरिंग की थी। इस घटना ने उनके प्रशंसकों, मित्रों से लेकर उनके परिवार तक सभी को चौंका दिया। अब काफी समय बाद भाईजान के जीजा ने भी इस पर चुप्पी तोड़ी है। आयुष ने कहा, हम उनका परिवार हैं। यह हमारे लिए कठिन समय है। और हम सभी एक परिवार के रूप में एक साथ खड़े हैं। मेरा मानना है कि इस समय, मेरे लिए कोई बयान देना या टिप्पणी करना उचित नहीं होगा क्योंकि यह एक गंभीर स्थिति है। मुंबई पुलिस ने जो किया है, उन्होंने बहुत अच्छा काम किया है और मामले की अभी भी जांच चल रही है। आयुष ने आगे कहा, इस स्तर पर, मैं बस उन सभी को धन्यवाद कहूंगा, जिन्होंने अपना प्यार और प्रार्थनाएं भेजी हैं, यह बहुत मायने रखता है और जैसा कि आप सभी जानते हैं कि वह (सलमान) काम पर वापस आ गए हैं, वैसे ही मैं भी हूं। बता दें कि 14 अप्रैल की सुबह करीब 5 बजे मोटरसाइकिल पर आए दो लोगों ने गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर चार राउंड फायरिंग की, जहां अभिनेता रहते हैं और इसके बाद भाग गए।

गोलीबारी में इस्तेमाल बंदूक की तलाश में क्राइम ब्रांच का बड़ा एक्शन, सूरत पहुंची टीम

सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर 14 अप्रैल को हुई गोलीबारी मामले में पुलिस छानबीन में जुटी है। जांच के दौरान नई-नई कड़ियां खुल रही हैं। इसे लेकर नई जानकारी ये है कि मुंबई क्राइम ब्रांच की एक टीम सूरत पहुंच गुई है। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक पुलिस उस गन की तलाश में पहुंची है, जिसे आरोपी ने अभिनेता के घर के बाहर हुई गोलीबारी के दौरान इस्तेमाल किया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने क्राइम ब्रांच को बताया कि वारदात को अंजाम देने के बाद उन्होंने बंदूक को तापी नदी में फेंक दिया था।

इस हफ्ते ओटीटी पर मिलेगा रोमांस के साथ थ्रिलर ड्रामा का मजा, इन फिल्मों-सीरीज की होगी दस्तक

कई लोग सिनेमाघरों में बैठकर फिल्मों का मजा नहीं ले पाते हैं। वे घर बैठे ही रोमांचक शो और फिल्में देखना पसंद करते हैं। वहीं कई लोग ऐसे भी होते हैं, जो ओटीटी पर पसंदीदा वेब सीरीज और फिल्में रिलीज होने का इंतजार करते हैं। अब उनके इंतजार पर विराम लगने वाला है। दर्शकों के लिए अप्रैल का आखिरी हफ्ता धमाकेदार साबित होने वाला है, क्योंकि इस हफ्ते ओटीटी पर कई वेब सीरीज और फिल्में रिलीज होने वाली हैं। चलिए आपको बताते हैं कि कौन सी फिल्में और वेब सीरीज कहां और कब रिलीज होने वाली हैं।

भीमा *भीमा एक जासूस के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक छोटे से शहर के मंदिर में होने वाली रहस्यमयी घटनाओं की जांच करता है। फिल्म में गोपीचंद मुख्य भूमिका में हैं, जबकि प्रिया भवानी शंकर, मालविका शर्मा, नासर, नरेश, पूर्णा, वेनेला किशोर, रघु बाबू, मुकेश तिवारी, छम्मक चंद्र, निहारिका कोनिडेला और रोहिणी सहायक भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म कथित तौर पर 25 अप्रैल, 2024 को डि नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।*

दिल दोस्ती डिलेमा *दिल दोस्ती डिलेमा असमारा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसकी गर्मियों की शुरुआत तब होती है, जब उसे सजा के तौर पर उसके दादा-दादी के पारंपरिक मोहल्ले में भेज दिया जाता है। इस वेब सीरीज में अनुष्का सेन, कुश जोतवानी, तन्वी आजमी, शिशिर शर्मा, सुहासिनी मुले, एलीशा मेयर, रेवती पिल्लई और श्रुति सेठ मुख्य भूमिका में हैं। यह 25 अप्रैल को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी।*

टिल्लू स्क्वायर *टिल्लू स्क्वायर टिल्लू के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसका जीवन एक रहस्यमय हत्या के मामले में शामिल होने के बाद एक बड़ा मोड़ लेता है। इसमें सिद्धू जोनालागड्डा और अनुपमा परमेश्वरन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म कथित तौर पर 26 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।*

क्रैक *एक्शन ड्रामा फिल्म क्रैक सिनेमाघरों के बाद अब ओटीटी पर रिलीज होने के लिए तैयार है। यह फिल्म 26 अप्रैल को डि नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी। फिल्म में विद्युत जामवाल, अर्जुन रामपाल और नोरा फतेही मुख्य भूमिका में हैं।*

डेड बॉय डिटेक्टिव्स *डेड बॉय डिटेक्टिव्स दो किशोर भूतों के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने अलौकिक ग्राहकों के लिए रहस्यों को सुलझाने के लिए एक दिव्यदर्शी के साथ काम करते हैं। इस सीरीज़ में जॉर्ज रेक्सट्रू और जेडन रेवरी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 25 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।*

मिन्नल मुरली के बाद अब फैंस को चाहिए हनुमान का ग्राफिक नॉवेल, राणा दग्गुबाती से की मांग

राणा दग्गुबाती अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म वेट्टैयन की शूटिंग में व्यस्त हैं। फिल्म में रजनीकांत के साथ कई मुख्य कलाकार हैं। वेट्टैयन एक मल्टीस्टारर फिल्म है। इस फिल्म में अभिनेता राणा दग्गुबती मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। अब उन्होंने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद अपने फैंस के साथ साझा की। इसके साथ ही वह कई फिल्मों का समर्थन और प्रचार करते हैं। उदाहरण के लिए, उन्होंने कल्कि 2898‹ष्ठ टीम को स्ष्ठष्ट 2023 में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उत्तर भारत में हनुमान को बढ़ावा दिया है।

मिन्नल मुरली का ग्राफिक उपन्यास लॉन्च

हाल ही में, राणा दग्गुबाती की स्पिरिट मीडिया ने टिंकल कॉमिक्स के साथ मिलकर मुंबई कॉमिक कॉन में मलयालम सुपरहीरो मिन्नल मुरली का ग्राफिक उपन्यास लॉन्च किया। साल 2021 में रिलीज हुई मिन्नल मुरली में टोविनो थॉमस मुख्य भूमिका में नजर आए थे।

हनुमान के ग्राफिक उपन्यास की मांग

मालूम हो कि तेलुगु दर्शकों के बीच हनुमान की जबर्दस्त सफलता के साथ राणा दग्गुबती और फिल्म टीम से फिल्म पर आधारित एक ग्राफिक उपन्यास विकसित करने की जोरदार मांग है। कई लोग इस परियोजना को जीवन में लाने की राणा की क्षमता पर भरोसा रखते हैं। बहुप्रतीक्षित सीक्वल, जय हनुमान की रिलीज से कुछ महीने पहले हनुमान ग्राफिक उपन्यास लॉन्च करना एक रणनीतिक कदम होगा। फैंस को अब इंतजार है कि क्या राणा दग्गुबती इस फिल्म को लेकर भी ऐसा ही कोई प्लान बना रहे हैं।

वेट्टैयन के लेकर चर्चा में हैं अभिनेता

बता दें कि पिछले दिनों राणा दग्गुबाती वेट्टैयन के लिए फैंस के साथ अपना उत्साह जाहिर किया था। राणा ने इंस्टाग्राम पर घोषणा की कि वह थलाइवर 170 उर्फ वेट्टैयन के सेट में शामिल हो गए हैं। शूटिंग सेट से अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए कैप्शन में अभिनेता ने लिखा, शूटिंग का पहला दिन। आइए इसे शुरू करें। थलाइवर 170 । फैंस भी अभिनेता की तस्वीर देख काफी उत्साहित हो गए थे।

सहारनपुर : अनजान व्यक्ति के घर में घुसकर युवक ने खुद की गोली मारकर की आत्महत्या, पुलिस जांच में जुटी

मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पीएम के लिए भिजवाया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के मिर्जापुर थाना क्षेत्र के गांव में एक अज्ञात युवक ने एक घर में घुसकर तमंचे से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पीएम के लिए भिजवाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहारनपुर जनपद में आज सुबह एक युवक ने अनजान व्यक्ति के घर में घुसकर अपनी कनपटी पर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। युवक की पहचान नहीं हो सकी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। घटना आज सुबह सात बजे के करीब की है। गांव अबाबाकरपुर (दौड़बसी) निवासी लक्ष्मी चौहान के घर में एक अज्ञात व्यक्ति बाइक से आया और सीधे उनके घर में घुस गया। घर पर उसकी मां शकुंतला, भाभी और बच्चे सोए हुए थे। बताया गया कि लक्ष्मी घेर में सोया हुआ था। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता उक्त व्यक्ति ने उनके घर के अंदर कमरे में घुसकर तमंचे को अपनी कनपटी से सटाकर गोली मारकर आत्महत्या कर ली। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। ग्राम प्रधान राशिद ने पुलिस को सूचना दी। एसएसआई मनोज कुमार और शाकुंभरी चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह ने पहुंचकर शव को पीएम के लिए भिजवाया। मृतक कहां का रहने वाला है और उसने अनजान व्यक्ति के घर में घुसकर खुद को गोली मारकर आत्महत्या क्यों की? इस बारे में स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। फिलहाल पुलिस उसकी पहचान कराने में जुटी हुई है।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में आज अपना नामांकन जमा करेंगे भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी

नामांकन के पूर्व होगा सभा का आयोजन

सभी भाजपाई होंगे शामिल

भगवान दास बेरागी । सिटी चीफ शाजापुर, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की उपस्थिति में आज सोमवार को भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी शुभ मुहूर्त में अपना नामांकन रिटर्निंग अधिकारी को जमा करेंगे। जिनके साथ मुख्यमंत्रीडॉ मोहन यादव सहित पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, लोकसभा क्षेत्र के जिले के पदाधिकारी,विधायक गण व जनप्रतिनिधि शामिल होंगे।जानकारी देते हुवे जिला कार्यसमिति सदस्य उमेश टेलर ने बताया की इसके पहले स्थानीय प्राइवेट बस स्टैंड पर आम सभा का आयोजन होगा। जिसमें भाजपा के कार्यकर्ता शामिल होंगे। सभा के पश्चात् भाजपा प्रत्याशी महेंद्रसिंह सोलंकी अपना नामांकन जमा करने जाएंगें।

कार्यकर्ताओं ने निकाली आवाहन रैली– भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भाजपा प्रत्याशी श्री महेंद्र सिंह सोलंकी के समर्थन में सभा को सम्बोधित करने व नामांकन हेतु शाजापुर आ रहे प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के शाजापुर आगमन पर शाजापुर नगर वासियों का आवाहन करने के लिए उन्हें निमंत्रण निमंत्रित करने के लिए एक आवाहन रैली शाजापुर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता सम्मिलित हुए। प्रमुख रूप से विधानसभा संयोजक किरण सिंह ठाकुर भाजपा जिला महामंत्री दिनेश शर्मा, जिला उपाध्यक्ष प्रदीप चंद्रवंशी, गोपाल सिंह ठाकुर,नगर पालिका अध्यक्ष प्रेम जैन, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष श्याम टेलर,नवीन राठौर,शीतल भावसार,सोनू सोलंकी,विपुल कसेरा,गोविन्द नायक, आशीष नागर,आशीष गोठी, गोविन्द शर्मा,आशीष परमार,प्रेम यादव, दुष्यंत सोनी, चिनेश जैन, श्याम शर्मा, लोकेश शर्मा,संजय यादव,सागर सहित बड़ी संख्या मे पार्टी पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कटनी पुलिस को मिली सफलता

कटनी में हुई डकैती के आरोपियों को करा गिरफ्तार

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी जिले के माधवनगर थाना क्षेत्र में हुई डकैती के आरोपियों को पकड़ने में माधव नगर पुलिस को बड़ी सफलता वही पुलिस ने पांच आरोपियों को अरेस्ट कर उनके पास से दो लेपटॉप पांच मोबाइल व नगदी सहित करीब 06 लाख 87 सौ रुपए जब्त किया है। कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया की भरत बानवानी ने माधवनगर थाने में आकर शिकायत की थी कटनी के सुभाष चौक में मोबाइल की दुकान मे बेचने व सुधारने का काम करता है जो कि दिनांक 18 अप्रैल की रात्रि को चार अज्ञात लड़के सिविल ड्रेस में मेरे कमरे में घुस आये और बोले कि हम काइमब्रान्च से है यह कहकर हम लोगों को कमरे में बंधक बनाने के साथ मारपीट की और डरा धमकाकर मेरे मोबाईल खाता से जबरन फोन-पे से 49 हजार रूपये ट्रांसफर करवाये और मेरे रिश्तेदार ने सेमसंग के दो मोबाईल एवं 3 मोबाइल रियलमी कम्पनी के मोबाईल कुल 5 मोबाइल के साथ दो लेपटाप एच.पी कम्पनी का चार्जर और एच पी कम्पनी का स्पीकर के जिसकी कुल कीमत लगभग 3 लाख 35,000 रूपये थी जब हम लोगो के द्वारा उनका विरोध किया तो झाड़ू का डण्डा एवं लात-घूंसो से मारपीट की चारों आरोपीयो की पहचान में लड़को की उम्र करीब 20-25 साल की बताई गईं थी। वही इन सभी लुटेरों की वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गई। कटनी एसपी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल ही शिकायत दर्ज करा

आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के दिशा निर्देश देते दिए। अनूप सिंह निरीक्षक थाना प्रभारी माधवनगर के नेतृत्व मे उनि. दुर्गेश तिवारी चौकी प्रभारी निवार, उनि.उदयभान मिश्रा सायबर सेल कटनी एवं अधीनस्थ स्टाफ की टीम गठित कर दी गई गठित टीम के द्वारा तत्काल ही आस पास के लोगों से पूंछतांछ शुरु कर ,आने जाने वाले की जानकारी एकत्रित करते हुए तीसरी आँख सी.सी.टी.वी कैमरो को खंगलना शुरु किया एवं तकनीकी सहायता से फरियादी के बताये अनुसार उसके मोबाईल के पे-टीएम से किये गये 49 हजार रुपये का ट्रांसफर हिस्ट्री देखी गई फरियादी के खाते से दूसरे खाते मे किये गये ट्रान्सफर रकम के खाताधारक की तलाश की गई जो जबलपुर शहर का होना पाया गया जिसके संबंध मे मुखबिर तंत्रों के माध्यम से पता कर संबंधित व्यक्ति के माध्यम से ज्ञात हुआ कि सचिन यादव के द्वारा उसके खाते में 49 हज़ार रुपये ट्रांसफर कराया गया। जब सचिन यादव की तलाश करते हुए कटनी पुलिस जबलपुर उसके घर पहुंची तो एक लड़का पुलिस को देखकर तंग गलियों मे भागने लगा जिससे पुलिस को संदेह होने पर सतर्क कटनी पुलिस भी उसके पीछे भागी किन्तु तंग गलियों मे भागते हुए एक व्यक्ति के घर मे जा छिपा था जिसकी घेराबंदी कर कोना कोना चैक किए जाने पर उक्त व्यक्ति टायलेट मे छुपा होना पाया जिसे पुलिस ने पकड़ लिया। इसी प्रकार कुछ ही दूरी पर तनवीर खान को पकड़ने उसके ठिकाने पर पहुंची तो वह भी पुलिस को देखकर भागा जिसे पुलिस ने काफी मशकत्त करते हुए आरोपी तनवीर खान को पकड़ा इसी प्रकार से सूजल उर्फ अंशु बावरिया, नमन उर्फ लक्की श्रीवास्तव, चेतन विश्वकर्मा को पकड़ा है । जिनसे एक एक कर पूछतांछ की गई जिन्होने स्वयं को कर्जे मे होने के कारण दोस्तों के साथ मिलकर प्लान बनाया डकैती की थी और भरत बानवानी माधवनगर निवासी के घर चलते है तनवीर खान वहां एक महीने पहले काम कर चुका है जिसे घर आने जाने का रास्ता मालूम है वहां से लैपटाप मोबाईल और जो भी पैसा मिलेगा आपस मे बांट लेंगे । तनवीर खान के बताये अनुसार भरत बानवानी के घर की बाउंड्री दीवार कूद कर सचिन यादव, चेतन विश्वकर्मा, सूजल बावरिया, लक्की श्रीवास्तव चारों लोग घर मे घुस गये और खुद को क्राईमब्रांच के पुलिस बताकर लूट की थी । लूट व डकैती मे सभी आरोपियों से कुल मिला कर 6 लाख आठ हजार सात सौ रुपये का सामान सहित नगदी बरामद किए ।

सहारनपुर के देवबंद की छात्रा ने हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में करा टॉप

जिले के टाप टैन में छठा स्थान प्राप्त कर देवबंद तहसील का नाम किया रोशन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, हाईस्कूल बोर्ड परीक्षा में महाराज सिंह इंटर कालेज गंगदासपुर की छात्रा ने जिले के टाप टैन में छठा स्थान पाया है। प्रधानाचार्य सरदार गुरविंदर सिंह ने बताया कि महाराज सिंह इण्टर कालेज गंगदासपुर की कक्षा 10 का परिणाम 100 प्रतिशत रहा है। कालेज की छात्रा वंशिका चौधरी पुत्री प्रमोद कुमार निवासी गांव दुगचाडा ने कक्षा 10 में 567 अंक प्राप्त कर सहारनपुर जनपद में छठा स्थान व देवबंद तहसील मे द्वितीय स्थान प्राप्त कर अपने कालेज, क्षेत्र, देवबंद तहसील का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य सरदार गुरविंदर सिंह ने इस अवसर पर सभी अध्यापकों व छात्र- छात्राओं को बधाई दी। सभी साथियो ने छात्र/छात्राओ के उज्वल भविष्य की कामना की।

फिल्टर लगी दूल्हे की फोटो दिखाया, ऐन मौके पर टूटी शादी,अब दुल्हन के फैसले पर बेरंग लौटी बारात

ग्वालियर में शादी के दौरान एक अनोखा मामला सामने आया है। यहां लड़की ने फेरों के दौरान जब लड़के की शक्ल देखी तो उसने शादी करने से इनकार कर दिया। यही नहीं लड़की ने वरपक्ष पर यह आरोप भी लगा दिया कि शादी पक्की होने के समय जो फोटो उसे दिखाया गया था वो मोबाइल से फिल्टर किया गया था। बता दें कि आगया निवासी युवती ममता की शादी ग्वालियर के उटीला गांव में रहने वाले अनिल चौहान से तय हुई थी। शादी तय करने के समय युवती के स्वजन से लड़के की मुलाकात हुई थी। वहीं युवती को मोबाइल पर ही फोटो दिखाकर शादी पक्की कर दी थी, लेकिन जब दूल्हा दुल्हन शादी के समय स्टेज पर आए तो दुल्हन ने दूल्हे की शक्ल देखकर शादी से ही इनकार कर दिया और जयमाला भी हटा दिया। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच काफी हंगामा हुआ और मामला थाने तक पहुंच गया, जिसके बाद पुलिस ने वर वधू पक्ष के बीच समझौता कराया, जिसके बाद दोनों पक्षों ने आपसी सहमति से शादी करने से इनकार कर दिया।

गौरव हत्याकांड का पुलिस ने किया खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार

छह-सात लोगों ने मिलकर पिता प्रदीप एवं पुत्र गौरव पर किया था जानलेवा हमला

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, सहारनपुर जनपद के थाना रामपुर मनिहारान क्षेत्र के ग्राम सहजवा निवासी गौरव हत्याकांड की गुत्थी आज थाना रामपुर मनिहारान प्रभारी नरेंद्र कुमार शर्मा ने अपनी पुलिस टीम के सहयोग से सुलझाते हुए एक हत्यारे सोनू पुत्र गिरीराज को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि इसके अन्य साथी अभी भी फरार है। बता दें,कि पुरानी रंजिश के कारण सहजवा निवासी गौरव पर गांव के ही सोनी पुत्र गिरीराज निवासी ग्राम सहजवा व अन्य 6-7 लोगों ने लाठी डंडों,कुल्हाडी बिसौल्ही? से लेंस होकर कल प्राण घातक हमला बोल दिया था,बेटे को बचाने के चक्कर में पिता प्रदीप भी घायल हो गया था,घायल दोनों बाप-बेटो को जैसे अस्पताल ले जाया गया,तो अस्पताल पहुंचते ही घायल गौरव ने दम तोड दिया,जबकि घायल प्रदीप का इलाज अभी भी अस्पताल में जारी है। घटना सूचना मिलते ही थाना रामपुर मनिहारान प्रभारी नरेंद्र कुमार शर्मा भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे थे,जबकि हमलावर मौके से पहले ही फरार हो चुके थे,जिनकी तलाश में पुलिस की दबिशे लगातार जारी थी। जबकि घटना की सूचना मिलते ही एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक भी मौके पर पहुंचे थे। इस हत्याकांड में इंस्पेक्टर रामपुर मनिहारान नरेंद्र कुमार शर्मा ने एक टीम का गठन कर हत्यारों की तलाश में लगा दी थी एवम स्वयं भी भारी पुलिस बल के साथ हत्यारो की तलाश में लग गए थे।आज इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार शर्मा को जैसे ही सूचना मिली,कि एक हत्यारा सोनी गांव उमाहीकला के पास से गुजरने वाला है,तो इंस्पेक्टर नरेंद्र कुमार शर्मा ने अपनी पुलिस टीम के उपनिरीक्षक राजेंद्र सिंह सहित अन्य पुलिस दल के साथ मोर्चा सम्हालते हुए अभियुक्त सोनी? को पकड़ लिया। जबकि इसके अन्य साथियों की तलाश भी लगातार जारी है।पकड़े गए अभियुक्त सोनी ने गौरव की हत्या कारण पुलिस को बताते हुए कहा,कि वह काफी समय से पिता पुत्र से बदला लेना चाहता था,और मौका मिलते ही बदला ले भी लिया।फिलहाल पकड़े गए अभियुक्त सोनी का आईपीसी धारा 147/148/149/452/302/307/34/120-बी एवम 323 के मामला पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया है।इस मामले में मृतक गौरव की मां ने मुकद्दमा पंजीकृत कराते हुए अभियुक्त सोनी सहित 6-7 लोगो पर प्राण घातक हमले का आरोप लगाया था।

अब 65 की उम्र पार कर चुके लोग भी ले सकेंगे हेल्थ इंश्योरेंस, नियम में हुआ बदलाव

नई दिल्ली। आपके माता-पिता बुजुर्ग हैं और उनकी उम्र 65 साल से अधिक है और आप उनके लिए हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी लेना चाहते हैं, तो फिर अब आपके लिए ये मुमकिन होगा. दरअसल, बीमा नियामक इरडाई ने हेल्थ इंश्योरेंस खरीदने से संबंधित नियमों में बड़ा बदलाव किया है और पॉलिसी खरीदने वाले व्यक्तियों के लिए 65 साल की आयु सीमा हटा दी है. इससे पहले ग्राहक केवल 65 साल की उम्र तक ही नई हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीद सकते थे।हेल्थ इंश्योरेंस को लेकर ढ्ठ्ठ का ऐलानपीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, स्वास्थ्य बीमा खरीदने पर अधिकतम आयु प्रतिबंध को समाप्त करके का लक्ष्य एक अधिक समावेशी और सुलभ स्वास्थ्य देखभाल पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देना है, जो अप्रत्याशित चिकित्सा खर्चों के खिलाफ पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करता है. 1 अप्रैल 2024 से प्रभावी हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसीज के लिए ये नियम लागू कर दिया गया है. यानी अब किसी भी उम्र का व्यक्ति नई हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी खरीद सकता है।बीमा कंपनियों को दिए गए ये निर्देशइरडाई ने मैक्सिमम

एज लिमिट को खत्म करते हुए एक सर्कुलर में कहा है कि तमाम बीमा कंपनियां यह सुनिश्चित करें कि उनके पास सभी एज ग्रुप के लोगों के लिए हेल्थ इंश्योरेंस प्रोडक्ट्स उपलब्ध हों. रेग्युलेटर ने हेल्थ इंश्योरेंस प्रोवाइडर्स को सीनियर सिटीजंस के हिसाब से इंश्योरेंस पॉलिसीज लाने और उनके क्लेम व शिकायतों से निपटने के लिए डेडिकेटेड चैनल स्थापित करने के भी निर्देश दिए हैं।अपने सर्कुलर में ने बीमा कंपनियों को पहले से किसी भी प्रकार की चिकित्सीय स्थिति वाले व्यक्तियों को हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसियां देने का आदेश भी दिया गया है. इसमें बीमा कंपनियों को कैंसर, हार्ट और एड्स जैसी गंभीर बीमारियों वाले मरीजों को पॉलिसी जारी करने से मना करने से भी प्रतिबंधित किया गया है. सर्कुलर के अनुसार, इरडा ने हेल्थ इंश्योरेंस वेटिंग पीरियड को भी 48 महीने के बजाय घटकर 36 महीने कर दिया है।बीमा नियामक के सर्कुलर में कहा गया है कि आयुष उपचार कवरेज पर कोई सीमा नहीं है. आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी प्रणालियों के तहत उपचार को बिना किसी सीमा के बीमा राशि तक कवरेज मिलेगा. *IRDAI* ने कहा कि बीमाकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि वे सभी आयु समूहों की जरूरतों को पूरा करने के लिए हेल्थ इंश्यारेंस प्रोडक्ट की पेशकश करें. विशेष रूप से सीनियर सिटीजंस, स्टूडेंट्स, बच्चों और सक्षम प्राधिकार द्वारा निर्दिष्ट किसी भी अन्य ग्रुप के लिए प्रोडक्ट डिजाइन कर सकते हैं।

क्रेडिट कार्ड आपात स्थिति में मददगार आसानी से दिलाता है कर्ज, किसी दस्तावेज की नहीं पड़ती जरूरत

क्रेडिट कार्ड आपात स्थिति में वित्तीय रूप से काफी मददगार साबित होता है। यह एक टूल है, जो खर्च करने के तरीके को सुविधाजनक और फायदेमंद बनाता है। रिवॉर्ड पाइंट और कैशबैक समेत अन्य लाभ एवं सुविधाएं प्रदान करने के अलावा क्रेडिट कार्ड जरूरत पड़ने पर आपको आसानी से कर्ज भी दिला सकता है। क्रेडिट कार्ड पर कर्ज पर्सनल लोन की तरह होता है। इसमें बैंक क्रेडिट कार्डधारक को कार्ड की लिमिट के अनुसार कर्ज देते हैं। इसके लिए किसी दस्तावेज की जरूरत नहीं होती है, जिससे कर्ज लेने की प्रक्रिया सरल हो जाती है। कई बैंक न सिर्फ मौजूदा बल्कि नए ग्राहकों को भी क्रेडिट कार्ड पर कर्ज देते हैं। कर्ज राशि क्रेडिट कार्ड की बची लिमिट पर निर्भर करती है। हालांकि, यह अलग-अलग क्रेडिट कार्ड और ऋणदाताओं के हिसाब से भिन्न हो सकती है। बची लिमिट के अनुसार ही बैंक आपको कर्ज देते हैं। अगर आपके क्रेडिट कार्ड की कुल लिमिट एक लाख रुपये है और आपने उसमें से 30,000 रुपये का इस्तेमाल कर लिया है तो बाकी बची 70,000 रुपये की लिमिट पर ही कर्ज मिलेगा। क्रेडिट कार्ड कर्ज पर ब्याज दर पर्सनल लोन जितनी होती है। अगर पर्सनल लोन पर ब्याज दर 13 फीसदी है तो बैंक इसी दर पर क्रेडिट कार्ड कर्ज देंगे। कई बार ऐसे कर्ज पर अधिक ब्याज भी लगता है। यह काफी हद तक बैंक के नियम और शर्तों पर निर्भर करता है। क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेने के लिए आपको प्रोसेसिंग शुल्क का भी भुगतान करना पड़ता है। यह शुल्क कर्ज राशि का 3 फीसदी तक हो सकता है। क्रेडिट कार्ड कर्ज को प्री-अप्रूव्ड लोन के रूप में पेश किया जाता है। कुछ बैंक आपकी भुगतान हिस्ट्री और खर्च करने की आदतों के आधार पर पात्रता का आकलन करते हैं। कर्ज की भुगतान अवधि आपके बैंक और क्रेडिट कार्ड के प्रकार पर निर्भर करती है। सामान्य तौर पर भुगतान अवधि 60 से 90 दिनों तक की होती है। लिमिट से अधिक कर्ज के लिए न करें आवेदन- क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेना चाहते हैं तो ध्यान रखें कि जिस लोन के लिए आपने आवेदन किया है, वह रकम कार्ड की क्रेडिट/निकासी सीमा से अधिक न हो। ऐसा होने पर बैंक कई बार आपके क्रेडिट कार्ड को अस्थायी तौर पर निलंबित कर देते हैं। इसके अलावा, क्रेडिट कार्ड पर कर्ज लेते समय ब्याज दर, पुनर्भुगतान अवधि, प्रोसेसिंग शुल्क व अन्य दरों की जानकारी जरूर लें। -आदिल शेट्टी, सीईओ, बैंक बाजार

जोमैटो ने अपने ग्राहकों को दिया झटका, प्लैटफॉर्म फीस में की 25% की बढ़ोतरी, अब ऑर्डर होंगे महंगे

नई दिल्ली । जोमैटो ने अपने ग्राहकों को झटका देते हुए अपना प्लैटफॉर्म फीस 25 फीसद बढ़ाकर 5 रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है। कंपनी ने अपने मार्च तिमाही के वित्तीय परिणामों की घोषणा करने की उम्मीद से कुछ हफ्ते पहले ही इसका ऐलान किया है। इसके साथ ही जोमैटो ने अपनी इंटरसिटी लीजेंड्स फूड डिलीवरी सर्विस को सस्पेंड कर दिया है।बता दें अगस्त 2023 में जोमैटो ने अपने मार्जिन को बढ़ाने और कंपनी को प्रॉफिटेबल बनने के लिए 2 रुपये का प्लैटफॉर्म फीस शुरू किया। बाद में इसे बढ़ाकर 3 रुपये कर दिया और फिर 1 जनवरी को इसे बढ़ाकर 4 रुपये कर दिया। इससे पहले कंपनी ने 31 दिसंबर को प्लैटफॉर्म शुल्क को अस्थायी रूप से बढ़ाकर 9 रुपये कर दिया था।एक साल में जोमैटो के पास आते हैं 85-90 करोड़ ऑर्डरविश्लेषकों ने कहा कि प्लैटफॉर्म शुल्क वृद्धि आंशिक रूप से डिलीवरी शुल्क पर जीएसटी के प्रभाव को कम कर देगी। जोमैटो सालाना करीब 85-0 करोड़ ऑर्डर पूरा करता है। प्रत्येक 1 रुपये सुविधा शुल्क में वृद्धि से **EBITDA** पर 85-0 करोड़ रुपये का पॉजीटिव इफेक्ट पड़ सकता है, जो लगभग 5 प्रतिशत है। हालांकि, यह बढ़ोतरी अभी केवल कुछ शहरों में ही प्रभावी है।

2023-24 में 18 फीसदी बढ़ा प्रत्यक्ष कर संग्रह, 19.58 लाख करोड़ रुपये हुआ

भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में सालाना आधार पर 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 करोड़ रुपये हो गया। कर विभाग ने रविवार को कहा कि यह राशि संशोधित अनुमानों से काफी अधिक है। आयकर और कॉरपोरेट कर संग्रह 2023-24 के दौरान बजट अनुमानों से 1.35 लाख करोड़ रुपये (7.40 प्रतिशत) और संशोधित अनुमानों से 13,000 करोड़ रुपये अधिक रहा। इनकी प्रत्यक्ष कर संग्रह में सबसे बड़ी हिस्सेदारी है। वित्त वर्ष 2023-24 में सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह (अनंतिम) 18.48 प्रतिशत बढ़कर 23.37 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिफंड के बाद शुद्ध आय 17.7 प्रतिशत बढ़कर 19.58 लाख करोड़ रुपये रही।प्रत्यक्ष कर संग्रह के आंकड़े अर्थव्यवस्था में उछाल और व्यक्तियों तथा कॉरपोरेट की आय में वृद्धि को दर्शाते हैं। सीबीडीटी ने एक बयान में कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में कुल 3.79 लाख करोड़ रुपये का रिफंड जारी किया गया।वित्त वर्ष 2023-24 के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह के अनंतिम आंकड़े बताते हैं कि शुद्ध संग्रह 19.58 लाख करोड़ रुपये है। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह राशि 16.64 लाख करोड़ रुपये थी। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में इस वर्ष के लिए संग्रह 18.23 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसे बाद में संशोधित कर 19.45 लाख करोड़ रुपये कर दिया गया।बयान में कहा गया कि अनंतिम प्रत्यक्ष कर संग्रह (रिफंड को छोड़कर) बजट अनुमान से 7.40 प्रतिशत और संशोधित अनुमान से 0.67 प्रतिशत अधिक है। इस दौरान रिफंड के समायोजन से पहले प्रत्यक्ष करों का सकल संग्रह (अनंतिम) 23.37 लाख करोड़ रुपये रहा। यह राशि वित्त वर्ष 2022-23 के 19.72 लाख करोड़ रुपये के सकल संग्रह से 18.48 प्रतिशत अधिक है।

खेल

IPL 2024 का आधा सफर खत्म, ये दो टीमें प्लेऑफ की रेस से लगभग बाहर

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग में खेले जा रहे मुकाबलों के बाद हर दिन अंक तालिका में बदलाव देखने को मिल रहे हैं. एक दिन पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने 5वीं जीत से दूसरा स्थान हासिल किया था और अगले ही दिन कोलकाता नाइटराइडर्स ने रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को हरा अपनी जगह वापस से हासिल कर ली. इस हार के बाद अब विराट कोहली के टीम के प्लेऑफ की उम्मीदें धुंधली हो चुकी है. एक और टीम है जिसके बाहर होने लगभग पक्का हो गया है।कोलकाता नाइटराइडर्स से रविवार 21 अप्रैल को मिली हार के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के प्लेऑफ की रेस में बने रहने की उम्मीदों को झटका लगा है. टूर्नामेंट का आधा सफर तय होने के बाद एक तरफ जहां राजस्थान रॉयल्स की टीम टॉप पर बनी हुई है तो कोलकाता ने दूसरा स्थान वापस से हासिल कर लिया है. रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन कर रही सनराइजर्स हैदराबाद तीसरे स्थान पर चल रही है. महेंद्र सिंह धोनी की मौजूदा चैंपियन चेन्नई सुपर चौथे पायदान पर है. 5वें नंबर पर लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम चल रही है।2 टीमों का बाहर होना तयइंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अब तक 8-8 मैच खेलने के बाद रॉयल

चैलेंजर्स बैंगलोर और पंजाब किंग्स के खाते में जो जीत है इसके लिहाज से वो प्लेऑफ में शायद ही पहुंच पाए. अंक तालिका में सबसे नीचे मौजूद आरसीबी ने सिर्फ 1 मैच जीता है और 7 में हार का सामना किया है. पंजाब की टीम के पास 2 जीत है और 6 में हार झेला है. आगे बचे सारे मुकाबलों में जीत मिली फिर भी आरसीबी वह ज्यादा से ज्यादा 14 या अंक तक पहुंच पाएंगी. वहीं पंजाब अपने बचे हुए सारे मैच जीतकर 16 अंकों तक ही पहुंच पाएगी. इसमें से एक मैच दोनों टीमों को आपस में खेलना है तो किसी किसी एक को हार मिलेगी।8 टीमें प्लेऑफ की रेस मेंप्लेऑफ के रेस की बात करें तो टॉप चार टीमों में राजस्थान, कोलकाता, चेन्नई और लखनऊ की दावेदारी सबसे मजबूत है. संजू सैमसन की टीम 12 अंकों के साथ सबसे उपर है और उसे सिर्फ 2 मुकाबले जीतने के बाद अगले दौर में जगह मिल जाएगी. कोलकाता के पास 10 अंक हैं और अगले 3 मुकाबले में जीत हासिलकर वह प्लेऑफ में पहुंच सकती है. चेन्नई और लखनऊ ने 8 अंक हासिल किए हैं तो 4 मैच जीतकर वह 16 अंकों तक पहुंच सकती है।गुजरात की टीम ने 8 मैच खेलकर 4 जीत हासिल की है और अगले 6 मुकाबले में से उसे कम से कम 4 जीत चाहिए. मुंबई इंडियंस ने 7 मुकाबले खेले हैं और तीन जीता है वहीं दिल्ली के खाते में 8 मैच के बाद इतनी ही जीत है. इन दोनों के पास भी आगे के मुकाबले जीतकर प्लेऑफ में जगह बनाने का पूरा पूरा मौका है।

हम्पी महिला कैंडिडेट्स शतरंज में दूसरे स्थान पर रहीं, टाईब्रेकर में चीनी खिलाड़ी को हराया

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हम्पी ने संयुक्त रूप से शीर्ष पर काबिज चीन की टी लेइ को हराकर टाईब्रेकर में बेहतर प्रदर्शन के आधार पर महिला कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की झोंग्यी तान शीर्ष पर रही जिन्होंने यूक्रेन की अन्ना मुजिचुक से ड्रॉ खेला ।आर वैशाली लगातार पांचवीं जीत दर्ज करके संयुक्त दूसरे स्थान पर थी, लेकिन टाईब्रेकर के बाद चौथे स्थान पर रही। उन्होंने रूस की कैटरीना लागनो को हराया। तान ने नौ अंक बनाए, जबकि हम्पी उनसे डेढ अंक पीछे थीं। लेइ तीसरे और वैशाली चौथे स्थान पर रहीं। अलेक्जेंद्रा गोरियाश्किना पांचवें स्थान पर रहीं। लागनो छठे , बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा सातवें और मुजिचुक आठवें स्थान पर रहीं। हम्पी के सात दौर के बाद ढाई अंक ही थे, लेकिन बाकी सात मैचों में उन्होंने पांच अंक बनाए।इससे पहले चेन्नई के 17 वर्षीय डी गुकेश ने प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में दूसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी के रूप में हिस्सा लिया था। हालांकि, अब कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में हिकारू नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद वह इस टूर्नामेंट के सबसे कम उम्र के विजेता बन गए हैं। इतना ही नहीं, वह विश्व शतरंज चैंपियनशिप में प्रतिस्पर्धा करने वाला सबसे कम उम्र का खिलाड़ी भी बन गए हैं। वह कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी भी बन गए और विश्वनाथन आनंद के बाद यह टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए।नाकामुरा के खिलाफ ड्रॉ खेलने के बाद उनका टूर्नामेंट जीतना तय नहीं था। सबकुछ बियो कारुआना और इयान नेपोमनियाच्ची के बीच चल रहे अन्य मैच पर टिका था। इन दोनों में से जीतने वाला खिलाड़ी गुकेश के साथ टाई ब्रेकर खेलता।

डी गुकेश ने कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीता, विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बनेटोरंटो

कनाडा। भारत के 17 वर्षीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने टोरंटो में चल रहे कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतकर इतिहास रच दिया। इसके साथ ही वह 40 साल पहले महान गैरी कास्पारोव द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड को तोड़ते हुए विश्व खिताब के लिए सबसे कम उम्र के चैलेंजर बन गए। गुकेश कैंडिडेट्स चेस टूर्नामेंट जीतने वाले सबसे युवा खिलाड़ी भी बने।वह विश्वनाथन आनंद के बाद कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय भी हैं। गुकेश ने 14वें और अंतिम राउंड में अमेरिकी हिकारू नाकामुरा के साथ आसान ड्रॉ खेला और टूर्नामेंट को 14 में से नौ अंकों के साथ समाप्त किया। कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट विश्व चैंपियन के लिए चुनौती तय करने के लिए आयोजित किया जाता है।साल के आखिर में विश्व चैंपियन को चुनौती देंगे गुकेशइस जीत के साथ ही गुकेश मौजूदा विश्व चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को इस साल के आखिर में होने वाले मुकाबले में चुनौती दे सकेंगे। चेन्नई के इस युवा चेस खिलाड़ी ने कास्पारोव के रिकॉर्ड को काफी हद तक बेहतर कर दिया। रूस के पूर्व महान कास्पारोव 22 साल के थे जब उन्होंने 1984 में हमवतन अनातोली कारपोव के साथ भिड़ने के लिए क्वालिफाई किया था।गुकेश ने जीत के बाद कहा, 'बहुत राहत मिली और बहुत खुशी हुई। मैं फैबियो कारुआना और इयान नेपोमनियाच्ची के खेल को भी फॉलो कर रहा था (ये दोनों भी दावेदार थे और एक अलग मैच में एक दूसरे से भिड़ रहे थे)। इसके बाद मैंने एक और खिलाड़ी ग्रेगोरज गाजेव्स्की से बातचीत की, मुझे लगता है कि इससे मदद मिली।'गुकेश को मिला इतने रुपये का इनामगुकेश ने टूर्नामेंट जीतने के साथ 88,500 यूरो (लगभग 78.5 लाख रुपये) का नकद पुरस्कार भी जीता। उम्मीदवारों की कुल पुरस्कार राशि 5,00,000 यूरो थी। गुकेश महान विश्वनाथन आनंद के बाद यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे भारतीय बने। पांच बार के विश्व चैंपियन आनंद की जीत

2014 में हुई थी।आनंद ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'सबसे कम उम्र के चैलेंजर बनने के लिए डी गुकेश को बधाई। आपने जो किया है उस पर वाका चेस परिवार को बहुत गर्व है। आपने जिस तरह से खेला और कठिन परिस्थितियों को संभाला, उस पर मुझे व्यक्तिगत रूप से बहुत गर्व है। इस पल का आनंद लें।' विश्वनाथन आनंद भी चेन्नई से हैं।कारुआना और नेपोमनियाच्ची के मैच पर थी निगाहेंटूर्नामेंट जीतने के लिए कम से कम ड्रॉ की जरूरत होने पर गुकेश ने नाकामुरा को कोई भी मौका नहीं दिया। गुकेश ने टूर्नामेंट जीतने के साथ यह बता दिया है कि वह बड़े मंच के लिए तैयार हैं और शतरंज की दुनिया का अगला सबसे बड़ा सितारा बनने जा रहे हैं।गुकेश और नाकामुरा के बीच खेल 71वीं चाल तक चला, लेकिन परिणाम शुरू से ही तय दिख रहा था। गुकेश के नौ अंकों पर समाप्त होने के साथ, सभी की निगाहें अमेरिकी कारुआना और रूस के नेपोमनियाच्ची के बीच मैच पर थीं। अमेरिकी ने शुरुआत से ही नेपोमनियाच्ची पर दबाव बनाए रखा और कई चालों तक लगभग जीत की स्थिति में रहे।नेपोमनियाच्ची-कारुआना मैच हुआ ड्रॉ, गुकेश जीतेहालांकि, कुछ समय बाद घड़ी की सुई घूम गई क्योंकि कारुआना ने 39वीं चाल में खेलने लायक स्थिति बनाने में गलती कर दी। लेकिन तब भी चीजें खत्म नहीं हुई थीं। कारूआना ने फिर से वापसी की और खिताब दूसरी बार जीतने के करीब ही थे कि एक बार फिर उनकी घड़ी ने उन्हें धोखा दे दिया और वह निरंतर अपने प्रदर्शन के बनाए रखने में असफल रहे।यदि इन दोनों (कारुआना और नेपोमनियाच्ची) खिलाड़ियों में से कोई भी जीतता, तो टूर्नामेंट को टाई-ब्रेक की आवश्यकता होती क्योंकि गुकेश और विजेता संयुक्त बढ़त पर होते। कारुआना, नेपोमनियाच्ची और नाकामुरा सभी समान 8.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा अजरबैजान के निजात अबासोव को हराकर सात अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहे।भारत के अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शनविदित गुजराती ने अंतिम राउंड में फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के साथ त्वरित ड्रॉ खेला और कुल छह अंकों के साथ छठे स्थान पर रहे। अलीरेजा पांच अंकों के साथ सातवें स्थान पर रहे, जबकि अबासोव कुल 3.5 अंकों के साथ अंतिम स्थान पर रहे। 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर खिताब हासिल करने वाले शतरंज इतिहास में तीसरे सबसे युवा बनने के बाद गुकेश पिछले कुछ समय से सुर्खियां बटोर रहे हैं। पिछले साल, उन्होंने हांगझोऊ एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। विश्व चैंपियनशिप की तारीखें और स्थान अभी तय नहीं हुए हैं।अंतिम दौर के परिणाम (भारत के खिलाड़ी)-हिकारू नाकामुरा (यूएसए, 8.5) ने डी गुकेश (9) के साथ ड्रॉ खेला।फैबियानो कारुआना (यूएसए, 8.5) ने इयान नेपोमनियाच्ची (स्न्रढ्डष्ठ्ठ, 8.5) के साथ ड्रॉ खेला।निजात अबासोव (अजरबैजान, 3.5) आर प्रगनानंदा (7) से हार गए।फिरोजा अलीरेजा (फ्रांस, 5) ने विदित गुजराती (6) के साथ ड्रॉ खेला।

श्रीलंका में कार रेसिंग इवेंट के दौरान बड़ा हादसा, 7 लोगों की मौत; 23 घायल

इंटरनेशनल डेस्क: श्रीलंका के उवा प्रांत में बड़ा हादसा देखने को मिला है। जहां, कार रेसिंग के दौरान हुए हादसे में एक बच्चे समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है जबकि 23 अन्य गंभीर रूप से घायल बताए जा रहे हैं। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, यह दुर्घटना उस समय हुई जब सेंट्रल हिल रिसॉर्ट में कार रेसिंग के दौरान एक कार अनियंत्रित होने के बाद ट्रैक से उतर कर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों को रौंद दी। पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, पुलिस ने कहा कि दुर्घटना में 23 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और सात अन्य की मौत हो गई है। मृतकों में एक 8 साल का लड़का और चार ट्रैक असिस्टेंस भी शामिल हैं। घटना के बाद 23 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कई लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। अप्रैल के मध्य में पड़ने वाले राष्ट्रीय नववर्ष के अनुसार श्रीलंका सेना द्वारा आयोजित, %फॉक्सहिलसुपर क्रॉस 2024% नामक रेस देखने के लिए एक लाख से अधिक प्रशंसक इकट्ठा हुए थे। यह दौड़ श्रीलंका के मध्य हाइलैंड्स में एक पूर्व गैरीसन शहर दियातलावा में आयोजित की गई थी, जहां सभी सैन्यकर्मी सैन्य प्रशिक्षण लेते हैं। नव वर्ष की छुट्टियों के मौसम के दौरान छुट्टियां मनाने वाले लोग सेंट्रल हिल्स में इकट्ठा होते हैं। जहां कार रेस और घुड़दौड़ जैसी कई प्रतियोगिताएं होती हैं। श्रीलंकाई सेना ने आखिरी बार 2019 में फॉक्सहिल रेस का आयोजन किया था, लेकिन देश भर में 2019 ईस्टर हमलों के बाद इसे अचानक रोकना पड़ा। यह दौड़ पांच साल बाद दोबारा आयोजित की जा रही थी, लेकिन घातक दुर्घटना के बाद रविवार को इसे फिर से निलंबित कर दिया गया।

प्रधानमंत्री ओसामा बिन लादेन की तरह भ्रष्टाचार के बारे में बात कर रहे हैं और अहिंसा का उपदेश दे रहे हैं: आप नेता

नेशनल डेस्क- आप नेता संजय सिंह ने रविवार को रांची में विपक्षी इंडिया ब्लॉक की रैली को संबोधित करते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा पर तीखा हमला किया। रांची में उलगुलान न्याय रैली को संबोधित करते हुए संजय सिंह ने कहा, नरेंद्र मोदी जी भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं. उन्होंने गलत आरोप लगाकर हेमंत सोरेन और अरविंद केजरीवाल को जेल में डाल दिया। जब वह भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलते हैं तो ऐसा लगता है जैसे ओसामा बिन लादेन और गब्बर सिंह अहिंसा का उपदेश दे रहे हों। मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के तुरंत बाद, 31 जनवरी को कथित भूमि धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया था। मार्च में दिल्ली शराब नीति मामले में जांच एजेंसी ने अरविंद केजरीवाल को भी गिरफ्तार किया था। फिलहाल वह दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद हैं। संजय सिंह, जिन्हें भी इसी मामले में गिरफ्तार किया गया था, को अरविंद केजरीवाल को तिहाड़ जेल भेजे जाने के कुछ दिनों बाद जमानत पर रिहा कर दिया गया था। रैली में बोलते हुए आप सांसद ने आरोप लगाया कि भाजपा में शामिल होने के बाद विपक्षी नेताओं के खिलाफ मामलों को खारिज कर दिया गया। संजय सिंह ने कहा, 2014 के बाद एक मोदी वाशिंग पाउडर आया है जो आपके सारे भ्रष्टाचार साफ कर देता है। यह चुटकियों में सारे दाग मिटा देता है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार के आरोपी कई नेता भाजपा में शामिल हो गए या एनडीए का हिस्सा बन गए। संजय सिंह ने बीजेपी पर हमला करने के लिए एनसीपी नेता अजीत पवार, छगन भुजबल और हसन मुश्रीफ, पूर्व कांग्रेस नेता अशोक चौहान, हिमंत बिस्वा सरमा और नारायण राणे और, पूर्व टीएमसी नेता मुकुल रॉय और सुवेंदु अधिकारी का नाम लिया। आप सांसद ने कहा, बीजेपी का नारा है कि आप जितना अधिक भ्रष्ट होंगे, आपकी रैंक उतनी ही ऊंची होगी। इस बीच रांची की रैली में 28 राजनीतिक दलों के नेताओं ने हिस्सा लिया। अरविंद केजरीवाल और हेमंत सोरेन की पत्नियां सुनीता केजरीवाल और कल्पना सोरेन भी मंच पर आईं। रैली को दौरान मंच पर दो खाली कुर्सियां रखी गई थीं – एक अरविंद केजरीवाल और एक हेमंत सोरेन के लिए।

पाक सुरक्षा एजेंसियों ने बलूच कार्यकर्ताओं के घरों पर छापेमारी की

पेशावर- पाकिस्तानी कानून प्रवर्तन एजेंसियों के कर्मियों ने पाकिस्तान में सिंध प्रांत की राजधानी कराची में बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) के कार्यकर्ताओं पर घर पर छापे मारे। द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बड़ी संख्या में पाकिस्तानी बलों और खुफिया एजेंसियों ने कराची के मालिर में जलाल मुराद के इलाकों को घेर लिया। उन्होंने बीवाईसी कार्यकर्ताओं के घरों सहित कई घरों पर छापा मारा और अंधाधुंध गोलीबारी की। छापे पर बीवाईसी के प्रवक्ता ने कहा कि राज्य द्वारा उत्पीड़न का इस्तेमाल हमेशा बलूच लोगों को दबाने के लिए किया गया है, और कराची में बलूचों के प्रति सुरक्षा बलों का क्रूर व्यवहार नरसंहार की इस नीति की निरंतरता जारी है। राज्य और उसकी प्रवर्तन एजेंसियां सुरक्षा की आड़ में बलूच लोगों के खिलाफ हिंसा का सहारा ले रही हैं, जिससे उन्हें लियारी से केच से लेकर कोह-ए-सुलेमान तक क्रूरता का निशाना बनाया जा रहा है। बलूच राष्ट्र राज्य की आक्रामकता के सबसे बुरे रूप का सामना कर रहा है समिति ने सभी प्रकार की दमनकारी राज्य नीतियों का विरोध करने का निर्णय लिया है और मालिर सहित राज्य उत्पीड़न की हर घटना के खिलाफ सार्वजनिक प्रतिरोध तेज करेगी।

रिपोर्टों के मुताबिक, इन छापों में कई पुरुष, महिलाएं और बच्चे घायल हो गए, जिनमें पुलिस, रेंजर्स और खुफिया एजेंसी के कर्मी शामिल थे। पाकिस्तान की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई की निंदा करते हुए, बीवाईसी के कराची चैप्टर ने मामले को एक्स तक ले जाते हुए कहा, अगर हमारे सदस्यों सहित हममें से किसी ने भी कोई अपराध किया है, तो एक एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए, लेकिन इस तरह का व्यवहार गलत है। असहनीय। अगर कराची में किसी बलूच को किसी भी तरह का नुकसान होता है, तो हम अपनी कार्ययोजना की भी घोषणा करेंगे। प्रेस क्लब कराची में दिए गए अपने बयान में बीवाईसी की एक महिला नेता ने कहा, हम सड़कों को अवरुद्ध करेंगे और राज्यपाल के घर और सीएम हाउस के सामने विरोध प्रदर्शन करेंगे। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि हमारी आवाज़ सुनी जाए, और अगर हम अदालत जाएंगे तो हम अदालत जाएंगे। ज़रूरत है, हालाँकि हम जानते हैं कि अदालतों ने हम बलूचों को कभी न्याय नहीं दिया है, लेकिन हम फिर भी कानून बनाए रखेंगे। हिंसा और यातना के ऐसे कृत्य हमारी आत्माओं को नहीं तोड़ सकते।

भारत को झटका!, मालदीव के संसदीय चुनाव में चीन समर्थित मुइज्ज़ू की पार्टी की एकतरफा जीत

इंटरनेशनल डेस्क: मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्ज़ू की पार्टी ने रविवार को हुए चुनाव में भारी जीत के साथ संसद पर नियंत्रण हासिल कर लिया, जिसके परिणामस्वरूप मतदाताओं ने चीन की ओर उनके झुकाव और क्षेत्रीय शक्ति और पारंपरिक लाभकारी भारत से दूर होने का समर्थन किया। मालदीव के चुनाव आयोग के परिणामों के अनुसार, मुइज़ू की पीपुल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने घोषित पहली 86 सीटों में से 66 सीटें जीतीं, जो 93-सदस्यीय मजलिस या संसद में सुपर-बहुमत के लिए पहले से ही पर्याप्त से अधिक है। इस वोट को चीन के साथ घनिष्ठ आर्थिक सहयोग को आगे बढ़ाने की मुइज़ू की योजना के लिए एक महत्वपूर्ण परीक्षण के रूप में देखा गया, जिसमें विवादास्पद रूप से पुन: प्राप्त भूमि पर हजारों अपार्टमेंट का निर्माण भी शामिल था। पीएनसी और उसके सहयोगियों के पास निवर्तमान संसद में केवल आठ सीटें थीं, सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद बहुमत की कमी के कारण मुइज़्ज़ू को परेशानी हो रही थी। मुख्य विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी)-जिसके पास पहले अपना खुद का सुपर-बहुमत था केवल एक दर्जन सीटों के साथ अपमानजनक हार की ओर बढ़ रही थी। 45 वर्षीय मुइज़्ज़ू रविवार को सबसे पहले मतदान करने वालों में से थे, उन्होंने राजधानी माले के एक स्कूल में अपना वोट डाला - जहां वह पहले मेयर थे - और मालदीव के लोगों से बड़ी संख्या में मतदान करने का आग्रह किया। मुइज़्ज़ू ने कहा, सभी नागरिकों को जल्द से जल्द बाहर आना चाहिए और मतदान के अपने अधिकार का प्रयोग करना चाहिए। मालदीव, भूमध्य रेखा के पार लगभग 800 किलोमीटर (500 मील) तक फैले लगभग 1,192 छोटे मूंगा द्वीपों का एक निचला देश, ग्लोबल वार्मिंग के कारण समुद्र के स्तर में वृद्धि के प्रति सबसे संवेदनशील देशों में से एक है। पूर्व निर्माण मंत्री मुइज़ू ने वादा किया है कि वह महत्वाकांक्षी भूमि सुधार और ऊंचे द्वीपों का निर्माण करके लहरों को हरा देंगे, एक ऐसी नीति जिसके बारे में पर्यावरणविदों का तर्क है कि इससे बाढ़ का खतरा भी बढ़ सकता है। मालदीव अपने प्राचीन सफेद समुद्र तटों और एकांत रिसॉर्ट्स के कारण एक शीर्ष लक्जरी छुट्टी गंतव्य के रूप में जाना जाता है। लेकिन हाल के वर्षों में यह हिंद महासागर में एक भू-राजनीतिक हॉटस्पॉट भी बन गया है, जहां वैश्विक पूर्व-पश्चिम शिपिंग लेन द्वीपसमूह से गुजरती हैं।मुइज़्ज़ू ने पिछले सितंबर के राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के प्रतिनिधि के रूप में जीत हासिल की थी, भ्रष्टाचार के आरोप में अदालत द्वारा उनकी 11 साल की जेल की सजा को रद्द करने के बाद पिछले सप्ताह रिहा कर दिया गया था। इस महीने, जब संसदीय चुनावों के लिए प्रचार जोरों पर था, मुइज़ू ने चीनी राज्य के स्वामित्व वाली कंपनियों को हाई-प्रोफाइल बुनियादी ढांचे के ठेके दिए। उनका प्रशासन मालदीव की विशाल समुद्री सीमाओं पर गश्त करने के लिए नई दिल्ली द्वारा उपहार में दिए गए टोही विमानों का संचालन करने वाले 89 भारतीय सैनिकों की एक चौकी को घर भेजने की प्रक्रिया में भी है। मुइज़्ज़ू के तत्काल पूर्ववर्ती इब्राहिम मोहम्मद सोलिह की भारत समर्थक एमडीपी के प्रभुत्व वाली निवर्तमान संसद ने मालदीव की कूटनीति को फिर से संगठित करने के उनके प्रयासों को बाधित करने की कोशिश की है। मुइज़्ज़ू के सत्ता में आने के बाद से, सांसदों ने उनके तीन नामितों को कैबिनेट में शामिल करने से रोक दिया और उनके कुछ खर्च प्रस्तावों को अस्वीकार कर दिया। मुइज़ू के एक वरिष्ठ सहयोगी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर मतदान से पहले एएफपी को बताया, रविवार के चुनाव में पार्टियां वोटों के लिए प्रचार कर रही हैं, इसलिए भू-राजनीति पृष्ठभूमि में है। वह भारतीय सैनिकों को वापस भेजने के वादे पर सत्ता में आए थे और वह इस पर काम कर रहे हैं। सत्ता में आने के बाद से संसद उनके साथ सहयोग नहीं कर रही है। सोलिह भी जल्दी मतदान करने वालों में शामिल थे और उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी विजयी होगी। रविवार के मतदान में उनके खराब प्रदर्शन पर उनकी पार्टी की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। चुनाव प्रमुख फुआद तौफीक ने मतदान बंद होने के बाद कहा कि मतदान का आधा घंटा शेष रहने तक 284,663 मतदाताओं में से 73 प्रतिशत तक मतदान हो चुका था।

बोइंग ड्रीमलाइनर की गुणवत्ता पर फिर सवाल

एक और व्हिसलब्लोअर ने दी शिकायत

नेशनल डेस्क- बोइंग 787 ड्रीमलाइनर जेट की गुणवत्ता पर उठ रहे सवालों को लेकर कंपनी पूर्व कर्मचारियों और अधिकारियों की भीड़ बढ़ती जा रही है। इसी कड़ी में अब इस मामले में एक और व्हिसलब्लोअर जुड़ गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी से 2020 में सेवानिवृत्त हुए गुणवत्ता प्रबंधक नवीनतम रॉय इरविन ने कहा है कि कर्मचारियों को ड्रीमलाइनर की कमियों और इसमें बदलावों की सिफारिशों को उजागर करने से रोका गया था।

गुणवत्ता के दावों की चल रही है जांच

इस घटनाक्रम के बाद अब इरविन का लिखित विवरण भी कांग्रेस की सुनवाई का हिस्सा होगा। इरविन ने एक साक्षात्कार में कहा कि मुझसे कहा गया था कि हमारे पास सुधारात्मक कार्रवाई करने के लिए पर्याप्त समय नहीं है, इसलिए ऐसा मत लिखें। संघीय सुरक्षा अधिकारी पिछले सप्ताह एक अनुभवी बोइंग इंजीनियर द्वारा सार्वजनिक किए गए दावों की जांच कर रहे हैं, जिन्होंने कहा था कि कंपनी ने अपने ड्रीमलाइनर जेट के उत्पादन के दौरान गुणवत्ता और सुरक्षा संबंधी चिंताओं को खारिज कर दिया था। विभिन्न उत्पादन और नियामक मुद्दों के बीच बोइंग के चार्ल्सटन एस.सी. कारखाने में बनाई गई जेट की डिलीवरी 2020 से शुरू होकर लगभग दो वर्षों के लिए रुकी हुई थी। इंजीनियर सैम सालेहपुर इस मामले में गवाह हैं। उन्होंने कहा है कि 787 ड्रीमलाइनर के धड़ के हिस्सों को अनुचित तरीके से एक साथ बांधा गया है और हजारों यात्राओं के बाद यह उड़ान के बीच में टूट सकते हैं। वर्जीनिया स्थित विमान उद्योग कंपनी बोइंग व्हिसलब्लोअर सैम सैम सालेहपुर द्वारा कंपनी के 787 ड्रीमलाइनर विमान की संरचनात्मक अखंडता के बारे में चिंता जताए जाने के बाद इस मामले में नए सिरे से जांच के दायरे में है। जेट निर्माता ने इस सप्ताह की शुरुआत में पत्रकारों के सामने दो घंटे की प्रस्तुति में 787 की सुरक्षा का बचाव किया, जिसमें इंजीनियरों ने विमान के ढांचे में अंतराल की जांच करने और इसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत, वर्षों तक चलने वाली परीक्षण और विश्लेषण प्रक्रिया के रूप में वर्णित किया।

दुष्कर्म की कोशिश में नाकाम रहने पर की मासूम बच्ची की हत्या, आरोपी युवक गिरफ्तार

गाजियाबाद के मुरादनगर क्षेत्र में अपने पड़ोस में रहने वाली 4 साल की बच्ची से बलात्कार की कोशिश में नाकाम रहने पर उसकी हत्या करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस उपायुक्त (ग्रामीण क्षेत्र) विवेक चंद यादव ने बताया कि मुरादनगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार की शाम 4 साल की एक बच्ची बिस्कुट खरीदने के लिए पास की एक दुकान पर गई थी तभी पड़ोस में रहने वाला युवक विशाल (24) उसे बहला-फुसलाकर एक सुनसान घर में ले गया और अपनी हवस का शिकार बनाने की कोशिश की। बलात्कार की कोशिश में नाकाम रहने पर की बच्ची की हत्या मिली जानकारी के मुताबिक, यादव ने कहा कि जब वह अपने प्रयास में विफल रहा, तो उसने लड़की को जमीन पर पटक दिया जिससे उसके सिर में गहरी चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यादव ने बताया कि बच्ची की हत्या करने के बाद आरोपी ने उसके शव को एक गंदी रजाई में लपेटा और एक जर्जर घर में फेंक दिया।

यात्रीगण कृपया ध्यान दें... इस साल गर्मियों में 43 प्रतिशत अधिक ट्रेनें चलाएगा रेल मंत्रालय

नेशनल डेस्क- देशभर में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यात्रियों की संभावित बढ़ोतरी को देखते हुए रेल मंत्रालय अतिरिक्त ट्रेनों की संख्या में 43 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने जा रहा है। इसकी वजह से वेटिंग लिस्ट में भी कमी देखने को मिल सकती है। रेल मंत्रालय के इस फैसले से ज्यादा से ज्यादा यात्रियों को अपने गंतव्यों तक सुविधाजनक ढंग से पहुंचाने में मदद मिलेगी। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यात्रियों की सुविधा सुनिश्चित करने और गर्मियों के दौरान यात्रा की मांग में अनुमानित वृद्धि को ध्यान में रखते हुए रेलवे गर्मी के मौसम में ट्रेनों के रिकॉर्ड 9,111 फेरों का संचालन करने जा रहा है।

फेरों की संख्या में 2742 की बढ़ोतरी

मंत्रालय ने कहा है कि यह 2023 की गर्मियों की तुलना में पर्याप्त वृद्धि को दर्शाती है, जब कुल 6,369 अतिरिक्त ट्रेनों की पेशकश की गई थी। इस तरह ट्रेनों के फेरों की संख्या में 2742 की बढ़ोतरी हुई है जो यात्रियों की मांगों को प्रभावी ढंग से पूरा करने के लिए भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है। रेल मंत्रालय ने कहा कि प्रमुख रेल मार्गों पर निर्बाध यात्रा सुनिश्चित करने के लिए देशभर के प्रमुख गंतव्यों को जोड़ने के लिए अतिरिक्त ट्रेनों की सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई है। इन 9,111 अतिरिक्त ट्रेनों में से पश्चिम रेलवे सबसे अधिक 1,878 ट्रेनों का संचालन करेगा। इसके बाद उत्तर पश्चिम रेलवे 1,623 अतिरिक्त ट्रेन चलाएगा जबकि दक्षिण मध्य रेलवे 1,012 और पूर्व मध्य रेलवे 1,003 ट्रेनें संचालित करेंगे।

इन राज्यों में अतिरिक्त सेवाएं

मंत्रालय के मुताबिक देशभर में फैले सभी जोनल रेलवे ने तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली, झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान से गर्मियों के दौरान इन अतिरिक्त यात्राओं को संचालित करने के लिए कमर कस ली है। मंत्रालय ने यह निर्णय पी.आर.एस. प्रणाली में वेटिंग लिस्ट वाले यात्रियों के विवरण के अलावा मीडिया रिपोर्ट, सोशल मीडिया प्लेटफार्म और रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 से मिली सूचनाओं के आधार पर लिया है।

चावल देख आग बबूला हुआ रूस, कंगाल पाकिस्तान को दी चेतावनी, कहा- अगर फिर मिले कीड़े तो...

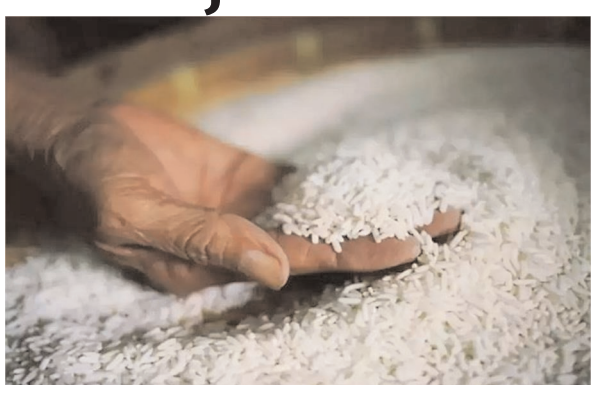

कराची: रूस ने चावल की खेप में कीड़ा लगा मिलने के बाद पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि अगर उसने भविष्य में आने वाली खेपों में 'फाइटोसैनिटरी% (फसल की स्वच्छता प्रक्रिया) पर ध्यान नहीं दिया तो वह चावल के आयात पर प्रतिबंध लगा देगा। रूस की पशुचिकित्सा एवं फाइटोसैनिटरी निगरानी संघीय सेवा (एफएसवीपीएस) ने पाकिस्तान से आयातित चावल की एक खेप को लेकर अंतरराष्ट्रीय व रूसी फाइटोसैनिटरी आवश्यकताओं के उल्लंघन के संबंध में एक अधिसूचना जारी की है, जिसके बाद यह चेतावनी दी गई है। दो अप्रैल को जारी अधिसूचना में चावल की खेप में एक जीव, मेगासेलिया स्केलारिस (लोव) होने की बात कही गई थी। रूस में स्थित पाकिस्तान दूतावास के व्यापार प्रतिनिधि को मामले की तत्काल जांच करने के लिए कहा गया। रूसी अधिकारियों ने इस तरह के उल्लंघनों को रोकने और दोनों देशों के बीच व्यापार में इस्तेमाल किए जाने वाले कृषि उत्पादों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी पाकिस्तानी चावल निर्यातकों को 'फाइटोसैनिटरी मानकों का पालन करने के लिए पाकिस्तान दूतावास को एक पत्र लिखा है। मॉस्को में पाकिस्तानी दूतावास की व्यापार शाखा ने खाद्य सुरक्षा मंत्रालय और अन्य संबंधित सरकारी कार्यालयों के पादप संरक्षण विभाग (डीपीपी) को रूसी प्राधिकरण का पत्र भेजते हुए रूसी अधिकारियों की ओर से अधिक शिकायतें प्राप्त होने पर भविष्य में चावल निर्यात पर संभावित प्रतिबंध लगाने की चेतावनी दी है। रूस ने इससे पहले स्वास्थ्य सुरक्षा कारणों से 2019 में पाकिस्तान से चावल आयात पर प्रतिबंध लगाया था। इसी तरह दिसंबर 2006 में रूस ने खाद्य सुरक्षा मानकों पर खरा नहीं उतरने को लेकर पाकिस्तान से चावल का आयात रोक दिया था। पाकिस्तान चावल निर्यातक संघ के अध्यक्ष चेला राम केवलानी ने कहा कि पाकिस्तानी चावल निर्यातकों को निर्यात के लिए सभी चावलों के चुनाव और पैकेजिंग में बहुत सावधानी बरतने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पिछले साल भारत द्वारा गैर-बासमती चावल के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने से पाकिस्तान को फायदा हुआ था, क्योंकि वैश्विक स्तर पर चावल का जितना कारोबार होता है, उसमें भारत की हिस्सेदारी लगभग 40 प्रतिशत है। पिछले साल, भारत ने सफेद गैर-बासमती चावल के निर्यात पर पाबंदी लगा दी थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569